Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 117 | शनिवार, 02 मई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

कमर्शियल सिलिंडर की कीमत में 993 रुपये की बढ़ोतरी, दिल्ली में अब 3071.50 रुपये पहुंचा दाम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों में एक मई यानी आज से बड़ा इजाफा हुआ है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि आज से 19 किलो के कमर्शियल सिलिंडर की कीमत में 993 रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। दिल्ली में आज से 19 किलो के सिलिंडर की कीमत 3071.50 रुपये होगी। घरेलू सिलिंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में बदलाव नहीं

आईओसी ने बताया कि पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें उन उपभोक्ताओं के लिए अपरिवर्तित रहीं, जो कुल खपत का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा हैं। इसी तरह, लगभग 33 करोड़ उपभोक्ताओं के लिए घरेलू एलपीजी (14.2-किलोग्राम सिलिंडर) की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित केरोसिन की कीमतों में भी कोई वृद्धि नहीं हुई है।

कुल मिलाकर, पेट्रोलियम उत्पादों का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा ऐसा है जिसकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया है, जिससे अधिकांश उपभोक्ताओं के लिए स्थिरता सुनिश्चित हुई है। तेल कंपनियों ने बताया कि मूल्य संशोधन केवल चुनिंदा औद्योगिक क्षेत्रों तक सीमित हैं, जिनकी खपत में अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा है और जो वैश्विक बेंचमार्क के आधार पर नियमित मासिक समायोजन के अधीन हैं।

कमर्शियल सिलिंडरों के बढ़ाए दाम

घरेलू एलपीजी सिलिंडरों की खुदरा कीमतों में बदलाव नहीं

वहीं, पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक देश की सरकारी तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बावजूद घरेलू विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। यह निर्णय एयरलाइनों और उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय मूल्य अस्थिरता से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है। इस्बढ़ोतरी पर इंडियन ऑयल ने क्या कहा? इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आम जनता को प्रभावित करने वाले प्रमुख ईंधनों की दरों में कोई संशोधन नहीं किया गया है। एटीएफ की कीमतों में हर महीने की पहली तारीख को इनपुट लागत के आधार पर संशोधन किया जाता है। हालांकि, घरेलू एयरलाइनों के लिए दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, वहीं अंतरराष्ट्रीय वाहकों के लिए कीमतों में वृद्धि हुई है।

बयान में यह भी कहा गया है कि थोक और वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडरों (कुल खपत का 1 प्रतिशत से कम) की कीमतों में संशोधन किया गया है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय विमानन संचालन के लिए थोक डीजल और एटीएफ की कीमतों में वृद्धि की गई है, हालांकि इसके विशिष्ट विवरण नहीं दिए गए हैं। साथ ही, लगभग चार प्रतिशत पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में गिरावट भी देखी गई है, जो वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव को दशार्ती है। कुल मिलाकर, लगभग 80 प्रतिशत उत्पादों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ, चार प्रतिशत में कमी आई और 16 प्रतिशत - मुख्य रूप से औद्योगिक ईंधन - में कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई।

असम के सीएम की पत्नी द्वारा दर्ज केस में पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, मिली अग्रिम जमानत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ी कानूनी जीत मिली है। शीर्ष अदालत ने असम पुलिस द्वारा दर्ज आपराधिक मानहानि और जालसाजी के मामले में खेड़ा को गिरफ्तारी से पहले जमानत (अग्रिम जमानत) दे दी। यह मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी, रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत से संबंधित है। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने कहा कि खेड़ा और शिकायतकर्ता के पति, दोनों की तरफ से आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता, जो संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित है, को खतरे में नहीं डाला जा सकता। खेड़ा को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'इस स्तर पर, हम इस बात से अवगत हैं कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत सुरक्षित किसी व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता को हल्के में खतरे में नहीं डाला जा सकता।' जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल चांदुरकर की बेंच ने इस मामले की सुनवाई तब की, जब गुवाहाटी हाई कोर्ट ने खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगर खेड़ा को गिरफ्तार किया जाता है, तो उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया जाए। यह जमानत उन उचित शर्तों और नियमों के अधीन होगी, जिन्हें जांच अधिकारी (IO) सही समझेंगे। कोर्ट ने खेड़ा को यह भी निर्देश दिया कि वे जांच में सहयोग करें और जब भी जरूरत हो, पुलिस के सामने पेश हों। उनसे यह भी कहा गया है कि वे जांच या ट्रायल के दौरान सबूतों को प्रभावित करने या उनके साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश न करें, और सक्षम कोर्ट की पहले से अनुमति लिए बिना देश छोड़कर न जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट को यह अधिकार है कि अगर उसे जरूरी लगे, तो ट्रायल के दौरान वह कोई भी अतिरिक्त शर्तें लगा सकता है। यह मामला खेड़ा के उन आरोपों से जुड़ा है, जिनमें उन्होंने कहा था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनके वित्तीय हित हैं। पिछले हफ्ते, सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। उस समय खेड़ा के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने यह दलील दी थी कि उनके मुवक्किल के भाग जाने का कोई खतरा नहीं है और न ही वे जांच में सहयोग करने से पीछे हट रहे हैं।

निजामुद्दीन-मुंबई ट्रेन में 6.30 करोड़ की ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार, ट्रॉली बैग में छिपाया था मेथम्फेटामाइन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। निजामुद्दीन से मुंबई जा रही ट्रेन में 6.130 करोड़ रुपये की मेथम्फेटामाइन के साथ एक महिला को सूरत रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया गया। डीआरआई ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क के संकेत मिलने पर इस मामले की जांच तेज कर दी है। पढ़ें इस बरामदगी की पूरी कहानी। दिल्ली से मुंबई जा रही निजामुद्दीन ट्रेन में ड्रग्स तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। सूरत रेलवे स्टेशन पर डीआरआई (डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस) की टीम ने एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से करीब 6.130 करोड़ रुपये की मेथम्फेटामाइन ड्रग्स बरामद हुई है। आरोपी महिला नासिक की रहने वाली बताई जा रही है और बेहद शातिर तरीके से ड्रग्स को छिपाकर यात्रा कर रही थी। इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं और पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है। डीआरआई को पहले से ही गुप्त सूचना मिली थी कि दिल्ली से मुंबई जाने वाली ट्रेन में एक महिला भारी मात्रा में ड्रग्स लेकर सफर कर रही है। सूचना इतनी सटीक थी कि उसमें महिला की सीट संख्या तक शामिल थी। इसी इनपुट के आधार पर अधिकारियों ने सूरत रेलवे स्टेशन पर जाल बिछाया और ट्रेन के पहुंचते ही संदिग्ध महिला को घेर लिया। शुरूआती पूछताछ में महिला ने खुद को सामान्य यात्री बताया, जिससे पहले नजर में कोई शक नहीं हुआ। जब अधिकारियों ने महिला के ट्रॉली बैग की गहन जांच की, तो असली सच्चाई सामने आई। बैग के निचले हिस्से में टेप की मदद से ड्रग्स के पैकेट चिपकाए गए थे। ऊपर से कपड़े और जूतों के डिब्बे इस तरह रखे गए थे कि किसी को भी शक न हो सके।

बंगाल में मतगणना से पहले बढ़ा सियासी तनाव, ममता बनर्जी के आरोपों पर बीजेपी बोली- दीदी के चेहरे पर हार का डर साफ दिख रहा है

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले कोलकाता में सियासी माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया है। तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच ईवीएम को लेकर आरोप प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। हम आपको बता दें कि गुरुवार रात मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अचानक सखावत मेमोरियल गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। यह वही स्थान है जहां भवानीपुर सीट की ईवीएम मशीनें रखी गई हैं। मुख्यमंत्री देर रात तक वहां मौजूद रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कई स्थानों से ईवीएम में गड़बड़ी की जानकारी मिली है, जिसके बाद वह खुद स्थिति देखने पहुंचीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शुरूआत में केंद्रीय बलों ने उन्हें अंदर जाने से रोका, लेकिन निर्वाचन नियमों के अनुसार उम्मीदवार और चुनाव एजेंट को सील कक्ष तक जाने की अनुमति होती है। बाद में उन्होंने संबंधित अधिकारी से अनुमति लेकर अंदर प्रवेश किया। उनके इस कदम ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी।

वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने कहा कि ईवीएम को लेकर संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत है और यह उनकी संभावित हार के डर को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव से पहले ऐसे आरोप लगाना तृणमूल कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा बन चुका है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच चुनाव आयोग और प्रशासन की ओर से भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा है कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है और सभी स्ट्रॉन्ग रूम चौबीस घंटे सीसीटीवी निगरानी में हैं, जिसे बाहर से भी देखा जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना ठोस प्रमाण के लगाए गए आरोप निराधार हैं। इसी बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह निर्वाचन आयोग का अधिकार क्षेत्र है और इसमें कोई अवैधता नहीं है। हम आपको बता दें कि भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र, जहां मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता आमने सामने हैं, इस बार सबसे अधिक चर्चा में है। इसी क्षेत्र में गुरुवार को उस समय तनाव और बढ़ गया जब भाजपा कार्यकताओं ने तृणमूल कांग्रेस के एक वाहन को रोक लिया। भाजपा कार्यकताओं का आरोप था कि वाहन में संदिग्ध सामग्री ले जाई जा रही है और इसका उपयोग ईवीएम में छेड़छाड़ के लिए किया जा सकता है। कुछ कार्यकताओं ने खुले तौर पर आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस नकली मशीनें लाकर उन्हें बदलने की कोशिश कर सकती है। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे। वहीं मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच यह भी कहा कि उनकी पार्टी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि उनके दल के एजेंटों को गिरफ्तार किया गया है तथा कई जगह एकतरफा कार्रवाई हो रही है। इसी विवाद के बीच राज्य की मंत्री शशि पांजा ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्ट्रांग रूम से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी किसी भी राजनीतिक दल को पहले से नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि एक कमरे को बिना किसी दल के प्रतिनिधि की मौजूदगी में खोला गया, जो नियमों के खिलाफ है। शशि पांजा ने दावा किया कि कैमरों में कुछ लोगों की गतिविधियां नजर आईं, जबकि वह कमरा पूरी तरह सील होना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि वहां गुलाबी लिफाफों में रखे डाक मतपत्र दिखाई दिए, जिससे संदेह और गहरा हो गया।

'अनुराग ठाकुर और परवेश वर्मा के खिलाफ नहीं बनता कोई संज्ञेय अपराध', हेट स्पीच मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2020 में दिल्ली में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं अनुराग ठाकुर और परवेश वर्मा द्वारा दिए गए कथित नफरती भाषणों के खिलाफ कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता।

भाजपा सांसद ठाकुर पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं, जबकि वर्मा दिल्ली सरकार में मंत्री हैं। 29 अप्रैल को नफरती भाषणों से संबंधित याचिकाओं के एक समूह पर सुनाए गए निर्णय में जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने माकपा के नेताओं वृंदा करात और के.एम. तिवारी द्वारा दायर याचिका पर भी विचार किया, जिन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट के जून, 2022 के निर्णय को चुनौती दी थी।

हाई कोर्ट ने करात और तिवारी की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने ठाकुर और वर्मा के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने के लिए ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में नोट किया कि हाई कोर्ट ने स्वतंत्र रूप से आकलन करते हुए कहा कि भाषणों में कोई संज्ञेय अपराध का गठन नहीं होता है। साथ ही ये बयान किसी विशेष समुदाय के खिलाफ नहीं थे और ना ही उन्होंने हिंसा या सार्वजनिक अव्यवस्था को भड़काया।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, "रिकार्ड पर प्रस्तुत सामग्री में कथित भाषण 26 फरवरी, 2020 की स्थिति रिपोर्ट और निचली अदालतों द्वारा दर्ज किए गए कारण शामिल हैं, पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद हम इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि कोई संज्ञेय अपराध नहीं बनता।"

पंजाब में सरकारी इमारत पर लहराया गया खालिस्तानी झंडाः एनआईए कोर्ट ने पन्नू के इशारे पर काम करने वाले दो दोषियों को भेजा जेल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) की एक विशेष अदालत ने देश की संप्रभुता को चुनौती देने वाले एक गंभीर मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साल 2020 में पंजाब के मोगा स्थित उपायुक्त (DC) कार्यालय पर खालिस्तानी झंडा फहराने के जुर्म में दो आरोपियों को पांच साल छह महीने के कारावास की सजा सुनाई है। एनआईए ने एक बयान में कहा कि मोहाली के एसएएस नगर में स्थित अदालत ने मोगा के निवासी आरोपियों इंदरजीत सिंह और जसपाल सिंह को पांच साल छह महीने की सजा सुनाई और 16-16 हजार रुपये जुमार्ना लगाया।

एनआईए ने इससे पहले इन दोनों के साथ गिरफ्तार दो अन्य आरोपियों और अमेरिका में रहने वाले दो फरार आरोपियों पन्नू व उसके सहयोगी राणा सिंह उर्फ हरप्रीत सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मोहाली की विशेष अदालत ने 2021 में पन्नू और हरप्रीत को इस मामले में भगोड़ा घोषित किया था। इंदरजीत और जसपाल ने 14 अगस्त 2020 को स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले मोगा के उपायुक्त कार्यालय पर खालिस्तानी झंडा फहराया था। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों आरोपी पन्नू के उकसावे पर प्रशासनिक परिसर में घुसे, इमारत पर चढ़े और 'खालिस्तान' लिखा हुआ केसरिया-पीला झंडा फहराया। एनआईए के अनुसार, उन्होंने राष्ट्रध्वज का भी अपमान किया था। एनआईए की जांच में सामने आया कि हरप्रीत ने इस काम के लिए इंदरजीत और जसपाल को पैसे दिए थे।

'हमने चीखकर कहा नाव रोक दो पर क्रू नहीं माना', बचे हुए शख्स ने बयां किया मौत का वो खौफनाक मंजर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

जबलपुर। 'सब कुछ 2 से 3 मिनट के भीतर खत्म हो गया। हम चिल्लाते रहे, गुहार लगाते रहे कि नाव को किनारे ले चलो, लेकिन क्रू ने एक न सुनी।' ये शब्द उस बदनसीब पिता के हैं, जिसने अपनी आंखों के सामने अपनी दुनिया उजड़ते देखी। जबलपुर के बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे में नौ जिंदगियां खत्म होने के बाद अब बचे हुए लोगों के बयानों ने पर्यटन विभाग और क्रू की 'आपराधिक' लापरवाही की परतें खोल दी हैं।

जबलपुर में एक क्रूज पलटने की घटना में नौ लोगों की मौत के बाद, बचे हुए लोगों ने सुरक्षा नियमों में गंभीर कमियों और क्रू सदस्यों की लापरवाही की शिकायत की है। बचे हुए लोगों में से एक ने आरोप लगाया कि खराब मौसम के दौरान यात्रियों द्वारा सचेत किए जाने और चेतावनी दिए जाने के बावजूद, क्रू ने नाव को सुरक्षित जगह पर ले जाने के यात्रियों के अनुरोध पर कोई ध्यान नहीं दिया।

गुरुवार शाम को, बरगी बांध पर एक मौज-मस्ती की यात्रा दुखद घटना में बदल गई, जब राज्य पर्यटन विभाग का एक क्रूज, जिसमें 30 लोग सवार थे, नर्मदा नदी के बैकवाटर में पलट गया; इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हो गए। यह घटना अचानक चली तेज हवाओं के बीच हुई, जबकि मौसम विभाग की ओर से पहले ही चेतावनी जारी की गई थी। दिल्ली के रहने वाले प्रदीप कुमार, जो इस हादसे में बाल-बाल बच गए, उन्होंने कुछ ही मिनटों में मची अफरा-तफरी और डर के माहौल को बयां किया। उन्होंने बताया, 'वहां कोई व्यवस्था नहीं थी। हम सभी को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थीं, इसलिए हमारे पास उन्हें आपस में बांटने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था।' उन्होंने नाव पर बुनियादी सुरक्षा उपायों की कमी को उजागर किया। उनके

अनुसार, नाव में लगभग 30 यात्री सवार थे, लेकिन क्रू के केवल दो सदस्य थे; आपातकाल के दौरान उन दोनों में से किसी ने भी पर्यटकों को ठीक से मार्गदर्शन या सहायता प्रदान नहीं की। कुमार ने बताया कि जैसे ही क्रूज बांध के बीच में पहुंचा, स्थिति कितनी तेजी से बिगड़ गई। उन्होंने कहा, 'अचानक तेज हवाएं चलने लगीं, जिससे पानी में जोरदार हलचल होने लगी। जैसे ही मैंने जैकेट पहनी, हादसा हो गया। महज 2-3 मिनट के भीतर ही सब कुछ तबाह हो गया।'

उन्होंने आगे बताया कि घबराहट में यात्रियों को आपस में ही लाइफ जैकेट बांटनी पड़ीं, क्योंकि क्रू ने स्थिति को संभालने के लिए कोई हस्तक्षेप नहीं किया। उन्होंने क्रू पर संकट की घड़ी में अपनी ज़िम्मेदारी से भागने का आरोप लगाते हुए कहा, 'वे नीचे नहीं आए। उन्हें पर्यटकों का ध्यान रखना चाहिए था।' प्रदीप कुमार की पत्नी और चार साल के बेटे के शव, जिनके बारे में पहले लापता होने की खबर थी, बाद में बरामद कर लिए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से यह भी पता चलता है कि किनारे पर मौजूद लोगों ने नाव के ऑपरेटर को चेतावनी दी थी कि जैसे-जैसे मौसम बिगड़ रहा है, वह नाव को वापस सुरक्षित स्थान पर ले जाए। हालांकि, ऑपरेटर ने कथित तौर पर बार-बार की गई इन गुहारों को नजरअंदाज कर दिया और अपने तय रास्ते पर ही आगे बढ़ता रहा। कुमार ने भी इस चिंता को दोहराते हुए कहा कि क्रू ने नाव को किनारे पर ले जाने के अनुरोधों पर 'कोई ध्यान नहीं दिया'; यह एक ऐसा फैसला था जिसने शायद इस भयानक हादसे को जन्म दिया। आखिरकार क्रूज का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई, जिससे यात्री पानी में गिर गए। स्थानीय लोग मदद के लिए तुरंत दौड़े और रस्सियों की मदद से कुछ लोगों को बचाया, खासकर उन लोगों को जिन्होंने लाइफ जैकेट पहन रखी थी। अधिकारियों ने पुष्टि की कि 15 यात्रियों को बचाकर पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जबकि लापता लोगों को खोजने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

इस दुखद घटना ने प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि खबरों के मुताबिक, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा क्षेत्र में तेज हवाओं की चेतावनी देते हुए 'येलो अलर्ट' जारी किए जाने के बावजूद क्रूज को चलने की अनुमति दी गई थी। आलोचक इसे सुरक्षा नियमों को लागू करने में एक बड़ी चूक बता रहे हैं। घटना के बाद घटनास्थल का दौरा करने वाले राज्य मंत्री राकेश सिंह ने इसे 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' बताया और पीड़ितों के परिवारों के लिए 4 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF) और अन्य टीमों द्वारा चलाए जा रहे बचाव अभियान रात भर जारी रहे, हालांकि कम रोशनी (कम विज़िबिलिटी) के कारण बचाव कार्यों में बाधा आई।

संपादक की कलम से

पीएचडी: उपाधि नहीं, ज्ञान-सृजन की निरंतर यात्रा

ललित शर्मा
संपादक

आज के समय में पीएचडी (Doctor of Philosophy) को लेकर समाज में अनेक धारणाएँ प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे केवल 'डिग्री' मानते हैं, कुछ इसे नौकरी पाने का साधन समझते हैं, जबकि कुछ इसे प्रतिष्ठा का प्रतीक मान बैठते हैं। सोशल मीडिया पर भी समय–समय पर ऐसे लेख और टिप्पणियाँ सामने आती रहती हैं जिनमें पीएचडी की उपयोगिता, कठिनाई और वास्तविक अर्थ पर बहस होती है। वास्तव में पीएचडी केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की सतत बौद्धिक यात्रा है। यह थीसिस लिखकर समाप्त होने वाली प्रक्रिया नहीं, बल्कि शोध–चिंतन, विश्लेषण और समाजोपयोगी योगदान की निरंतर साधना है। पीएचडी का मूल उद्देश्य किसी विषय के स्थापित ज्ञान को दोहराना नहीं, बल्कि उसमें नया जोड़ना है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक विद्यार्थी प्रायः उपलब्ध ज्ञान को पढ़ते, समझते और परीक्षाओं के माध्यम से सिद्ध करते हैं। परंतु पीएचडी उस बिंदु से आगे की अवस्था है जहाँ शोधार्थी स्वयं प्रश्न गढ़ता है, समस्या की पहचान करता है, पद्धति चुनता है, प्रमाण जुटाता है और निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। इस अर्थ में पीएचडी 'सीखने' से अधिक 'नया रचने' की प्रक्रिया है। बहुत से लोग समझते हैं कि पीएचडी का मतलब केवल मोटी थीसिस जमा कर देना है। यह सोच अधूरी है। थीसिस तो उस दीर्घ यात्रा का लिखित दस्तावेज है जो कई वर्षों के अध्ययन, क्षेत्रकार्य, प्रयोग, डेटा विश्लेषण, आलोचनात्मक चिंतन और संशोधन के बाद तैयार होता है। एक अच्छी थीसिस में केवल शब्दों की संख्या नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता, शोध की ईमानदारी और निष्कर्षों की उपयोगिता महत्व रखती है। यदि शोधार्थी ने समस्या को गहराई से समझा, उचित पद्धति अपनाई और निष्पक्ष निष्कर्ष दिए, तभी उसका शोध सार्थक माना जाता है। पीएचडी शोधार्थी को धैर्य सिखाती है। शोध में अक्सर त्वरित परिणाम नहीं मिलते। कई बार महीनों का प्रयास असफल हो जाता है, परंतु शोधकर्ता पुनः आरंभ करता है। विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग विफल हो सकते हैं, समाज विज्ञान में सर्वेक्षण अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकता, साहित्य में संदर्भ सामग्री अधूरी मिल सकती है। फिर भी शोधार्थी हार नहीं मानता। यही निरंतरता उसे साधारण विद्यार्थी से शोधकर्ता बनाती है। यह भी सत्य है कि पीएचडी केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी भी है। जब कोई व्यक्ति शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, भाषा, पर्यावरण, तकनीक या नीति से जुड़े विषयों पर शोध करता है, तो उसके निष्कर्ष समाज को दिशा दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, ग्रामीण शिक्षा पर शोध सरकारी विद्यालयों की दशा सुधार सकता है; जल संरक्षण पर शोध नीति निर्माण में सहायक हो सकता है; भारतीय भाषाओं पर शोध सांस्कृतिक विरासत को सहेज सकता है। इसलिए पीएचडी का मूल्य केवल विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित नहीं होता। हालाँकि, यह भी स्वीकार करना होगा कि वर्तमान समय में शोध जगत अनेक चुनौतियों से घिरा है। कुछ स्थानों पर शोध की गुणवत्ता पर प्रश्न उठते हैं। कहीं मार्गदर्शन की कमी है, कहीं संसाधनों का अभाव, कहीं शोधार्थियों पर अनावश्यक प्रशासनिक बोझ, तो कहीं केवल औपचारिकता निभाने की प्रवृत्ति। कुछ लोग पीएचडी को मात्र पदोन्नति या नौकरी हेतु आवश्यक पात्रता मानकर करते हैं। इससे शोध की आत्मा प्रभावित होती है। जब उद्देश्य ज्ञान नहीं, केवल लाभ हो जाए, तो शोध सतही होने लगता है।

व्यवस्था से हारता, कैंसर से जूझता बचपन: एक कड़वी सच्चाई

डॉ विजय गर्ग
लेखक

बचपन को जीवन का सबसे उजला, निश्चिंत और संभावनाओं से भरा चरण माना जाता है। यह वह समय होता है जब बच्चे सपनों की दुनिया में जीते हैं, खेलते हैं, सीखते हैं और धीरे-धीरे जीवन को समझते हैं। लेकिन जब यही बचपन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की गिरफ्त में आ जाता है, तो न केवल उसका स्वास्थ्य बल्कि उसकी मासूमियत, उसका आत्मविश्वास और उसके सपने भी कठिन परीक्षा से गुजरते हैं। इससे भी अधिक पीड़ादायक स्थिति तब बनती है, जब यह संघर्ष केवल बीमारी से नहीं, बल्कि एक जटिल और कमजोर व्यवस्था से भी होता है।

बीमारी से बड़ी लड़ाई: व्यवस्था से संघर्ष

कैंसर से जूझ रहे बच्चों के लिए इलाज एक लंबी और कठिन प्रक्रिया होती है। इसमें समय, धैर्य, भावनात्मक सहारा और सबसे महत्वपूर्ण– आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। भारत में लाखों परिवार ऐसे हैं, जिनके लिए महंगे इलाज का खर्च उठाना लगभग असंभव होता है।

सरकारी अस्पतालों में भीड़, सीमित संसाधन और लंबी प्रतीक्षा सूची इस समस्या को और जटिल बना देते हैं। निजी अस्पतालों में इलाज की लागत इतनी अधिक होती है कि कई परिवार कर्ज, जमीन या जेवर तक बेचने को मजबूर हो जाते हैं।

असमानता की गहरी खाई

कैंसर का इलाज अब केवल चिकित्सा का विषय नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक असमानता का आईना बन चुका है। एक तरफ वे परिवार हैं जो बेहतर अस्पतालों, उन्नत तकनीक और विशेषज्ञ डॉक्टरों तक आसानी से पहुंच रखते हैं, वहीं दूसरी ओर वे बच्चे हैं जिनकी प्रतिभा और जीवन की संभावना केवल इसलिए कमजोर पड़ जाती है क्योंकि उनके पास संसाधनों की कमी है। यह स्थिति हमारे समाज के उस असंतुलन को उजागर करती है, जहाँ जीवन का अधिकार भी आर्थिक स्थिति पर निर्भर होता जा रहा है।

अधूरी नीतियाँ और जमीनी हकीकत

सरकार द्वारा कई स्वास्थ्य योजनाएँ चलाई जाती हैं, जिनका उद्देश्य गरीब और जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करना है। लेकिन इन योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक नहीं पहुंच पाता।

कागजी प्रक्रियाएँ, जागरूकता की कमी, और कई बार भ्रष्टाचार जैसे कारण इस मदद को सीमित कर देते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर है, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है।

मानसिक और भावनात्मक असर

कैंसर से जूझते बच्चों के लिए शारीरिक पीड़ा के साथ-साथ मानसिक तनाव भी एक बड़ी चुनौती होती है। लंबे इलाज, अस्पताल में रहना, दोस्तों

और स्कूल से दूरी–यह सब उनके मनोबल को प्रभावित करता है। माता-पिता भी आर्थिक और भावनात्मक दबाव के बीच टूटने लगते हैं। ऐसे में यदि व्यवस्था से सहयोग न मिले, तो यह संघर्ष और भी कठिन हो जाता है।

उम्मीद की किरण

इन तमाम चुनौतियों के बावजूद, कई गैर-सरकारी संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता और डॉक्टर ऐसे हैं जो इन बच्चों के लिए उम्मीद की किरण बनते हैं। वे न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं, बल्कि मानसिक और सामाजिक समर्थन भी देते हैं। कुछ अस्पतालों में विशेष बाल कैंसर वार्ड, काउंसलिंग सेवाएँ और शिक्षा की व्यवस्था भी की जाती है, ताकि बच्चों का मनोबल बना रहे।

बचपन का अर्थ है– खिलखिलाहट, बेफिक्री और सपनों की उड़ान। लेकिन जब इसी मासूम उम्र में 'कैंसर' जैसा शब्द जुड़ जाता है, तो पूरी दुनिया ठहर सी जाती है। भारत में हर साल हजारों बच्चे इस जानलेवा बीमारी की चपेट में आते हैं। विडंबना यह है कि इनमें से कई बच्चे बीमारी की मार से कम, और हमारे देश की चरमराती स्वास्थ्य व्यवस्था से अधिक हार जाते हैं।

बीमारी की मार और संसाधनों का अभाव

कैंसर का इलाज लंबा, जटिल और अत्यधिक खचीर्ला होता है। जहाँ विकसित देशों में बच्चों के कैंसर के ठीक होने की दर 80% से अधिक है, वहीं भारत के ग्रामीण इलाकों में यह आँकड़ा काफी चिंताजनक है।

विशेषज्ञों की कमी: बच्चों के कैंसर विशेषज्ञ और समर्पित कैंसर अस्पतालों की संख्या बड़े शहरों तक सीमित है।

देरी से पहचान: ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर उचित डायग्नोसिस की सुविधा न होने के कारण बीमारी तीसरी या चौथी स्टेज पर पता चलती है, जब इलाज की संभावनाएं बहुत कम रह जाती हैं।

आर्थिक बोझ और व्यवस्था की बेरुखी

कैंसर का इलाज केवल शारीरिक पीड़ा नहीं, बल्कि एक 'आर्थिक सुनामी' लेकर आता है।

इलाज का खर्च: कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी का खर्च एक सामान्य परिवार की पहुँच से कोसों दूर है।

दूरी का दंश: गाँव के एक परिवार को बच्चे के इलाज के लिए महीनों तक महानगरों के फुटपाथों या धर्मशालाओं में रहना पड़ता है। अस्पताल में बेड की लंबी वेटिंग लिस्ट और सरकारी फाइलों में फंसी सहायता राशि मासूमों के समय को कम कर देती है।

'ड्रॉप-आउट' का संकट

अक्सर देखा गया है कि आर्थिक तंगी और लंबी दूरी के कारण कई माता-पिता इलाज बीच में ही छोड़ देते हैं। इसे चिकित्सा की भाषा में '.उपचार त्याग' कहा जाता है। जब व्यवस्था एक गरीब पिता को यह भरोसा नहीं दिला पाती कि उसका बच्चा बिना घर बेचे ठीक हो सकता है, तो वहाँ इंसानियत और तंत्र दोनों की हार होती है।

क्या है सुधार की जरूरत?

बचपन को इस दोहरी मार से बचाने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे:

विकेंद्रीकरण: कैंसर के इलाज की सुविधाएं केवल मेट्रो शहरों तक सीमित न रहकर ज़िला स्तर पर उपलब्ध होनी चाहिए।

निःशुल्क दवाएं और जांच: बच्चों के लिए कैंसर की दवाओं को पूरी तरह कर-मुक्त और सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

जागरूकता अभियान: स्कूलों और आंगनबाड़ियों के माध्यम से कैंसर के शुरूआती लक्षणों के प्रति समाज को जागरूक करना होगा ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके।

कैंसर एक कठिन लड़ाई है, लेकिन जब एक बच्चा इस लड़ाई में अकेला पड़ जाता है क्योंकि उसके माता-पिता के पास पैसे नहीं हैं या अस्पताल में बेड नहीं है, तो यह समाज के रूप में हमारी सामूहिक विफलता है।

हर बच्चे को जीने का हक है। हमें एक ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जहाँ किसी भी मासूम का इलाज इसलिए न रुक जाए कि वह एक गरीब घर में पैदा हुआ है। बचपन को कैंसर से लड़ने की हिम्मत तो मिल सकती है, लेकिन उसे व्यवस्था से हारने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता।

क्या किया जा सकता है?

इस स्थिति को बदलने के लिए केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि ठोस कदमों की आवश्यकता है: स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करना, विशेषकर सरकारी अस्पतालों में बाल कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार।

स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, ताकि हर जरूरतमंद तक लाभ पहुंचे। ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं का विकास, जिससे इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भरता कम हो। जागरूकता अभियान, ताकि लोग समय पर बीमारी की पहचान और इलाज करा सकें। मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा पर ध्यान, ताकि बच्चों का समग्र विकास प्रभावित न हो।

निष्कर्ष

कैंसर से जूझता बचपन केवल एक चिकित्सा समस्या नहीं है, यह हमारी सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्था की परीक्षा भी है। यदि एक बच्चा केवल इसलिए हार जाता है क्योंकि उसे सही समय पर सही इलाज नहीं मिल पाया, तो यह केवल एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की हार है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा व्यवस्था की कमजोरियों के कारण अपने जीवन की लड़ाई न हारे। क्योंकि हर बचपन की मुस्कान, हर सपना और हर जीवन– अनमोल है।

एक गठरी, जिसने पूरी व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया

प्रो. आरके जैन
लेखक

सच का आईना अक्सर वहीं मिलता है, जहाँ नजरें कम जाती हैं। ओडिशा के एक ग्रामीण इलाके की सुनसान राह पर चलता वह व्यक्ति केवल राहगीर नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बन गया था। उसके कंधों पर रखी गठरी में कोई वस्तु नहीं, बल्कि उसकी मृत बहन के अवशेष थे– और भीतर अपमान, थकान व असहायता का गहरा बोझ था।

कई किलोमीटर का यह सफर वर्षों की उपेक्षा और असमानता की खाई को पार करने जैसा था, जहाँ उसे मानवीय संवेदना की सीमा तक जाना पड़ा। उद्देश्य था– करीब बीस हजार रुपये– पर रास्ता इतना कठोर कि उसे अपनी बहन के अवशेष ही प्रमाण बनाने पड़े। यह दृश्य केवल पीड़ादायक नहीं, बल्कि भयावह है, जो व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर करता है।

इसे केवल एक वायरल दृश्य मानकर आगे बढ़ जाना सबसे बड़ी चूक होगी। यह उस व्यक्ति की दास्तान है, जिसने व्यवस्था के दरवाजे पर बार-बार दस्तक दी, पर हर बार कागजी औपचारिकताओं की दीवार से टकराकर लौटना पड़ा। वह व्यक्ति– एक अशिक्षित, दिहाड़ी मजदूर– दरअसल उसी भारत का चेहरा है, जो अक्सर योजनाओं और आँकड़ों की भीड़ में गुम हो जाता है। उसके लिए बैंक, प्रमाण-पत्र और प्रक्रियाएँ जीवन का सामान्य हिस्सा नहीं, बल्कि भय और उलझनों से भरा जाल हैं। बहन की मृत्यु के बाद बची थोड़ी-सी राशि ही उसके लिए आशा की अंतिम किरण थी।

पर जब उस पर भी नियमों का कठोर पहरा लगा, तो उसका मानसिक संतुलन डगमगा गया। उसका यह कदम तर्कसंगत न हो, पर उसकी पीड़ा निस्संदेह सच्ची और असहनीय थी। परिस्थिति का एक दूसरा आयाम भी है, जो उतना ही सख्त है और जिसे अनदेखा करना उचित नहीं। बैंक की मांग कोई मनमानी नहीं, बल्कि विधिक प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा थी। मृत्यु प्रमाण-पत्र और वारिस की पुष्टि जैसे प्रावधान उसी व्यवस्था की नींव हैं, जो छल और धोखाधड़ी को रोकती है। यदि बिना दस्तावेज के राशि दे दी जाती, तो वही समाज बाद में बैंक को लापरवाह ठहराता। नियम संवेदनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाए जाते हैं। यह स्वीकार करना होगा कि व्यवस्था की कठोरता ही उसकी विश्वसनीयता का आधार बनती है। किंतु प्रश्न अब भी बना हुआ है– क्या इस कठोर ढांचे में मानवीय संवेदना के लिए कोई स्थान शेष है, या वह कागजी औपचारिकताओं के बोझ तले दबकर रह गई है?

यहीं से सवाल एक चुभती हुई सच्चाई बनकर उभरता है– दोष नियमों में है या उन्हें पाने की प्रक्रिया में? ग्रामीण भारत में मृत्यु प्रमाण-पत्र बनवाना भी कई लोगों के लिए कठिन काम बन जाता है। जानकारी की कमी, दफ्तरों की दूरी और भाषा-व्यवहार की खाई आम आदमी को बेबस कर देती है। उस व्यक्ति के लिए यह प्रक्रिया उतनी ही जटिल रही होगी, जितनी हमारे लिए किसी अनजाने देश के कानून समझना। उसका कदम गलत था, पर इसकी जड़ उस व्यवस्था में भी है, जिसने उसे सही रास्ता कभी दिखाया ही नहीं। जब रास्ते साफ नहीं होते, तो भटकाव मजबूरी बन जाता है।

डिजिटल दुनिया में उमड़ता गुस्सा अपने आप में एक कड़वा सच उजागर करता है। हम बिना पूरी तस्वीर देखे तुरंत व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर देते हैं, जबकि असल समस्या कई स्तरों पर फैली होती है। यह मानना सही है कि गरीबी इंसान को संवेदनशील बनाती है, लेकिन जब यही संवेदना अति में बदल जाती है, तो सच्चाई ओझल हो जाती है। बैंक को दोष देना सरल है, पर यह सवाल उठाना कठिन है कि क्या हमने अपने समाज को इतना जागरूक बनाया है कि वह इन प्रक्रियाओं को समझ सके। यह घटना केवल एक व्यक्ति का दुख नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक कमी का परिणाम है, जिसमें हम सब किसी न किसी रूप में भागीदार हैं।

अब बात सिर्फ खेद जताने तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि ठोस सुधार की मांग करती है। बैंकों और प्रशासन को यह स्वीकार करना होगा कि नियम तभी प्रभावी होते हैं, जब वे आम लोगों के लिए सहज और पहुँच में हों। ग्रामीण क्षेत्रों में सहायता केंद्र, सरल और स्पष्ट भाषा में जानकारी, तथा पंचायतों के साथ मजबूत समन्वय– ये सब अब जरूरत बन चुके हैं। संवेदनशीलता का अर्थ नियमों से समझौता नहीं, बल्कि उन्हें इस तरह लागू करना है कि हर व्यक्ति उन्हें समझ सके और अपनाने में सक्षम हो। अगर व्यवस्था लोगों तक पहुँचने में असफल रहती है, तो उसका अस्तित्व ही सवालों के घेरे में आ जाता है।

यह घटना एक गहरी और कड़वी सच्चाई को सामने लाती है– हमारी व्यवस्था ऊपर से भले ही सुदृढ़ दिखे, लेकिन उसकी जड़ों में कहीं न कहीं कमजोरी छिपी हुई है। सबसे पीछे खड़ा आम व्यक्ति आज भी जरूरी जानकारी और बुनियादी सुविधाओं से दूर रह जाता है। अक्सर ऐसी घटनाओं के बाद प्रशासन की सक्रियता देखने को मिलती है, पर यह प्रश्न लगातार उठता है कि यह पहल पहले क्यों नहीं दिखाई दी? क्या हर बार हमें किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार करना पड़ेगा, तभी बदलाव की शुरूआत होगी? अब गंभीरता से सोचने का समय है कि कहीं हम ऐसा समाज तो नहीं बन गए हैं, जो केवल हादसों के बाद ही जागता और सक्रिय होता है।

अब यह पल हमसे कठोर जवाब मांग रहा है– क्या हम केवल आक्रोश में सिमटे रहेंगे, या सच में ठोस बदलाव की ओर बढ़ने का साहस करेंगे? हड्डियों की वह गठरी केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है, जिसमें संवेदनशीलता और नियमों के बीच संतुलन बुरी तरह बिगड़ चुका है।

यदि हमने इस घटना से कोई ठोस सीख नहीं ली, तो कल फिर कोई आम व्यक्ति अपनी बेबसी का यही बोझ ढोता नजर आएगा। और तब हमारी संवेदनाएं भी उतनी ही भारी और सुन्न हो जाएंगी, जितना उसके कंधों पर रखा वह बोझ था।

प्यार में झूठा है एतबार

उदय किशोर साह

कविता

अरी चन्दा तुम मेरे घर आना
मेरी तन्हाई को तुँ ही समझाना
बेबसी में मैंने ये काली रात बिताई
जब से हुई है उनकी दिल से बिदाई

पूनम की रात भी लगती है अंधियारी
यादें अब ख्वाब बन गई है हमारी
पागलपन मेरी देख हँसता जग सारी
खुशियों की बाग उजड़ बिखरी बेचारी

उनकी तस्वीर दिल को चुभता बार बार
बेवफाई की तोहफा दे चल दी सरकार
हँसता खेलता तन मन हो गई है। लाचार
क्यूं होता है प्यार में बेशर्म तकरार

मेरी जीवन से कर गई वो खिलवाड़
दुर्लभ सा हो गया अब उनका दीदार
लुट गई छिन गई रोटी व अपना रोजगार
प्यार की गुलशन की हो गई तार तार

जग में इन्सां क्यूं करता है मतलब का प्यार
कौन समझेगा प्यार की गुस्से की। गुबार
हसरत की कागज पे ना करना इकरार
झूठ मूठ का होता है प्यार में यहाँ एतबार

प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा: विकास का मार्ग या उलझन का कारण?

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक

प्राथमिक शिक्षा किसी भी बच्चे के जीवन की वह आधारशिला होती है, जिस पर उसके भविष्य का संपूर्ण निर्माण टिका होता है। यही वह अवस्था है, जब बच्चा न केवल ज्ञान अर्जित करता है, बल्कि सोचने, समझने, अभिव्यक्त करने और दुनिया को देखने का दृष्टिकोण भी विकसित करता है। ऐसे में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि शिक्षा किस भाषा में दी जानी चाहिए, मातृभाषा में या किसी अन्य भाषा, विशेषकर अंग्रेजी में? आज के बदलते शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में यह विषय एक व्यापक बहस का केंद्र बन चुका है।

मातृभाषा में शिक्षा देने के पक्ष में सबसे प्रमुख तर्क यह है कि बच्चा अपनी भाषा में अधिक सहज और स्वाभाविक रूप से सीखता है। भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह भावनाओं, अनुभवों और संस्कृति की अभिव्यक्ति का भी साधन है। जब बच्चा उसी भाषा में शिक्षा प्राप्त करता है, जिसे वह घर और समाज में बोलता-सुनता है, तो उसे विषयों को समझने में कम कठिनाई होती है। वह बिना किसी मानसिक दबाव के नए ज्ञान को ग्रहण कर पाता है। इससे उसकी जिज्ञासा बनी रहती है और सीखने की प्रक्रिया आनंददायक बन जाती है। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी मातृभाषा में शिक्षा का विशेष महत्व है। शोध बताते हैं कि प्रारंभिक वर्षों में बच्चों का मस्तिष्क अत्यंत संवेदनशील और ग्रहणशील होता है। यदि इस अवस्था में उन्हें उनकी अपनी भाषा में शिक्षा दी जाए, तो उनकी बौद्धिक क्षमता का स्वाभाविक विकास होता है। वे अवधारणाओं को रटने के बजाय समझने लगते हैं, जिससे उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता और रचनात्मक सोच विकसित होती है। इसके साथ ही, मातृभाषा में दक्षता बच्चे के आत्मविश्वास को भी बढ़ाती है। वह कक्षा में अपने विचार खुलकर व्यक्त कर पाता है और शिक्षा के प्रति उसका सकारात्मक दृष्टिकोण बनता है। हालांकि इस विषय का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय वैश्वीकरण का है, जहां विभिन्न देशों,

संस्कृतियों और भाषाओं के बीच संवाद और सहयोग निरंतर बढ़ रहा है। इस संदर्भ में अंग्रेजी जैसी अंतरराष्ट्रीय भाषा का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। उच्च शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, व्यापार और रोजगार के अधिकांश अवसर अंग्रेजी भाषा से जुड़े हुए हैं। ऐसे में यदि बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर अंग्रेजी से पूरी तरह दूर रखा जाए, तो वे आगे चलकर प्रतिस्पर्धा में पिछड़ सकते हैं। अभिभावकों की चिंताएं भी इसी संदर्भ में सामने आती हैं। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनें और उनके पास बेहतर करियर के अवसर हों। इसलिए वे अक्सर अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं। उनका मानना है कि यदि बच्चा शुरूआत से ही अंग्रेजी सीखेगा, तो वह उसमें अधिक दक्ष हो पाएगा और भविष्य में उसे किसी प्रकार की भाषा संबंधी बाधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। शिक्षकों के सामने भी मातृभाषा में शिक्षा देने की अपनी चुनौतियां हैं। विशेषकर विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में कई बार उपयुक्त शब्दावली का अभाव महसूस होता है। कई मातृभाषाओं में आधुनिक वैज्ञानिक शब्दों के सटीक अनुवाद उपलब्ध नहीं होते या वे इतने प्रचलित नहीं होते कि बच्चे उन्हें आसानी से समझ सकें। इसके अलावा, शिक्षकों का स्वयं उस भाषा में प्रशिक्षित होना भी आवश्यक है, ताकि वे विषय को प्रभावी ढंग से पढ़ा सकें। यदि शिक्षक ही भाषा और विषय दोनों में पूरी तरह दक्ष न हों, तो शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इन सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए यह स्पष्ट होता है कि इस मुद्दे का कोई एकतरफा समाधान नहीं है। न तो केवल मातृभाषा में शिक्षा देना पूर्णतः उपयुक्त है और न ही पूरी तरह विदेशी भाषा पर निर्भर रहना। ऐसे में एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक हो जाता है। बहुभाषी शिक्षा (Multilingual Education) इसी संतुलन का एक प्रभावी माध्यम हो सकती है। इसमें प्रारंभिक स्तर पर मातृभाषा को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि बच्चे की बुनियाद मजबूत हो सके। इसके साथ ही, धीरे-धीरे अन्य भाषाओं, विशेषकर अंग्रेजी का समावेश किया जाता है। इससे बच्चा न केवल अपनी भाषा में दक्ष बनता है, बल्कि अन्य भाषाओं का ज्ञान भी अर्जित करता है। इस प्रकार वह स्थानीय और वैश्विक, दोनों स्तरों पर सक्षम बन पाता है। बहुभाषी शिक्षा का एक और महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह बच्चों में भाषाई लचीलापन विकसित करती है। वे विभिन्न भाषाओं के बीच सहजता से स्विच कर पाते हैं और विविध सांस्कृतिक संदर्भों को समझने में सक्षम होते हैं। यह कौशल आज के वैश्विक समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, बहुभाषिकता बच्चों की स्मरण शक्ति, समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मकता को भी बढ़ाती है। नीतिगत स्तर पर भी इस दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा या स्थानीय भाषा में प्रारंभिक शिक्षा पर जोर दिया गया है, साथ ही बहुभाषी दृष्टिकोण को भी प्रोत्साहित किया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि बच्चे अपनी जड़ों से जुड़े रहें और साथ ही आधुनिक दुनिया की आवश्यकताओं के अनुरूप भी विकसित हो सकें। अंततः यह कहा जा सकता है कि मातृभाषा में शिक्षा न तो कोई उलझन है और न ही यह अकेला समाधान है। यह एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जो यदि सही तरीके से अपनाया जाए, तो बच्चों के समग्र विकास में अत्यंत सहायक हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा प्रणाली में संतुलन, लचीलापन और व्यावहारिकता को महत्व दिया जाए। बच्चों को ऐसी शिक्षा दी जानी चाहिए, जो उनकी समझ, जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ाए, न कि उन्हें भाषा के बोझ तले दबा दे। यदि हम मातृभाषा की शक्ति को समझते हुए अन्य भाषाओं का भी समुचित समावेश करें, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर सकते हैं, जो न केवल अपनी संस्कृति और पहचान से जुड़ी होगी, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

पीलीभीत मंडी परिसर में गरजा किसानों का आक्रोश, एसडीएम की बेरुखी पर भड़के भाकियू कार्यकर्ता

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। भ्रष्टाचार अवैध खनन और सरकारी तंत्र की वादाखिलाफी के खिलाफ हुंकार भर रहे भारतीय किसान यूनियन भानु के कार्यकताओं का धैर्य शुक्रवार को जवाब दे गया। किसान मंडी परिसर में आयोजित मासिक पंचायत के दौरान उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब ज्ञापन लेने पहुंची एसडीएम के अड़ियल रवैये ने जलती आग में घी डालने का काम किया।

किसानों का आरोप है कि जनसमस्याएं सुनने के बजाय अधिकारी ने तानाशाही दिखाई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर बड़ी संख्या में किसान मंडी में एकत्र हुए थे। मौके पर वार्ता के लिए पहुंची एसडीएम की कार्यशैली से किसान उस समय आगबबूला हो गए, जब बीच बातचीत में अधिकारी अचानक कुर्सी छोड़कर उठ खड़ी हुईं।

किसानों के अनुसार, एसडीएम ने दो टूक शब्दों में कहा, ज्ञापन देना है तो दो, वरना मुझे कहीं और जाना है। प्रशासनिक अधिकारी के इस गैर-जिम्मेदाराना बयान ने किसानों के आत्मसम्मान को गहरी चोट पहुंचाई। देखते ही देखते पूरा मंडी परिसर नारेबाजी से गूंज उठा।

किसान और अधिकारी के बीच तीखी नोकझोंक के कारण स्थिति अनियंत्रित होने लगी, जिसे देख एलआईयू और भारी पुलिस बल ने मोर्चा संभाला। काफी मान मनौव्वल और पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ और एसडीएम ने किसानों का ज्ञापन स्वीकार किया।

जिला अध्यक्ष भजन लाल क्रोधी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में प्रशासन को आइना दिखाया गया। संगठन ने आरोप लगाया कि अमरिया के मुडलिया में लाइसेंस खत्म होने के बाद भी स्टोन क्रेशर बेखौफ चल रहे हैं।

पूरनपुर और सुनगढ़ी की नदियों में दिन-रात अवैध खनन हो रहा है, जिसे विभागीय संरक्षण प्राप्त है। जनपद में खाद और गैस की भारी किल्लत है। पात्र गरीबों के राशन कार्ड पोर्टल पर बंद पड़े हैं, जिससे सरकारी लाभ उन तक नहीं पहुंच रहा। स्मार्ट मीटरों के नाम पर हो रही अवैध वसूली पर रोक लगाकर पुराने पोस्टपेड मीटर वापस लगाने की मांग की गई है। भाकियू भानु ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2025 और 2026 में दिए गए तमाम ज्ञापनों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिसको लेकर आगामी 1 जून को जिले में भारी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष संचित दीक्षित ने कहा कि यदि प्रशासन ने अपनी कार्यशैली नहीं बदली और एसडीएम जैसे अधिकारियों ने किसानों से बात करने की मयार्दा नहीं सीखी, तो संगठन कलेक्ट्रेट का घेराव कर अनिश्चितकालीन आंदोलन छेड़ेगा। इस मौके पर बाबूराम वर्मा, ओमप्रकाश राजपूत, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता और तहसील अध्यक्ष राम गोपाल प्रजापति सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

वन निगम ने चूका घूमने वालों की जेब से बोझ किया कम

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म सोसाइटी अरण्य विकास भवन वन निगम से श्री गंगोत्री कुमार दूबे प्रभागीय प्रबन्धक, ईकोटूरिज्म सदस्य सचिव, यू.पी.ईको टूरिज्म सोसाइटी, लखनऊ ने पर्यटन क्षेत्र में बाद फिर बदला करते हुए जंगल सफारी करने वाले एवं जंगल में रात्रि विश्राम के शौकीन पर्यटकों को बड़ी रहती है।

वन निगम उत्तर प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अधिकारी श्री पुलकित निगम से बातचीत के दौरान पता लगा की अब तक वन निगम पीलीभीत टाइगर रिजर्व में जो शुल्क पर्यटकों से वसूलत था उसमें बड़ी रहती दी गई है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के चूका पिकनिक स्पॉट पर शारदा सागर डैम में चलने वाली मोटर बोट का किराया जो अब तक 6 लोगों का 4000 था जो घटकर 1800 रह गया है, वन निगम के वाहन से जंगल घूमने का किराया 6 लोगों का पहले 4700 का था जो घटकर 4500 कर दिया गया है, पहले चूका के अंदर थारू हट का किराया 5600 था जो घटकर अब 4700 कर दिया गया है, ट्री-हट का किराया पहले 9100 था जो घटकर अब 7900 कर दिया गया है। यह आदेश उत्तर प्रदेश पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं कर्तनीय घाट वन्यजीव विहार के लिए जारी किए गए हैं बुकिंग काउंटर के हिसाब से किराए में और भी राहत दी गई है पीलीभीत नेहरू पार्क से कुछ ज्यादा तो मुस्तफाबाद बुकिंग काउंटर से और भी किराएदार में छूट दी गई है।

इधर दूसरी तरफ जानकार बता रहे हैं कि जल्द ही पीलीभीत टाइगर रिजर्व द्वारा संचालित सेला ई.डी.सी ने चूका पिकनिक स्पॉट पर मोटर बोट से सेहर करने की सुविधा चालू की है जिसकी वजह से वन निगम को अपने रेट कम करना पड़े हे।

कृषि उत्पादन मण्डी समिति चान्दपुर मे नीलाम हुऐ लिप्टिस के पेड़ो के कटान के बाद भी घमासान जारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

चांदपुर। कृषि उत्पादन मण्डी समिति चान्दपुर मे नीलाम हुऐ 113 लिप्टिस के पेड़ो के कटान के बाद भी घमासान जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ठेकेदार का आरोप की नीलाम हुऐ पेड़ो मे अभी कुछ पेड़ कटान को बाकी है। कृषि उत्पादन मण्डी समिति के पत्राक स०कृ०उ०म०स०,चान्दपुर/241पातन/2026-420दि01-24/02/2026के क्रम मे खड़े चिन्हित पेड़ लिप्टिस 113 पेड़ो की नीलामी ठेकेदार अर्चना को हुआ था निर्धारित समय मे 113 पेड़ो का कटान कर लिया गया है इस सम्बन्ध मे मण्डी निरिक्षक ने 113 नीलाम पेड़ो का कटान पूर्ण होने की लिखित सूचना मण्डी सचिव महादेवी को दे दी है।

ठेकेदार अर्चना ने एक लोडर ट्रैक्टर मण्डी परिसर मे खड़ा कर रखा है नाम नही छापने की शर्त पर मण्डी कर्मचारी ने बताया कि ठेकेदार का दबाब है कि मुझे 30 पेड़ और कटबाये जाय ठेकेदार अपने को किसी हिन्दू सगंठन की पदाधिकारी बताती है। एक समाजिककार्त ने इस प्रकरण को मण्डी डायरेक्टर लखनऊ को भी अवगत करा दिया है इस सरकारी सम्पत्ति को जानकर बचाया जाना चाहिए जिले के उच्चाधिकारी इस प्रकरण की निष्पक्षता से जाच कराये।

पर्यावरण/वृक्षारोपण समिति/और जिला गंगा समिति की बैठक 'कलेक्ट्रेट सभागार' मे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में जिला पर्यावरण/वृक्षारोपण समिति/और जिला गंगा समिति की बैठक 'कलेक्ट्रेट सभागार' में कविता मीना, जिलाधिकारी, हापुड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में श्रुति शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी, गौतम सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी, अनवर शेख, जिला विकास अधिकारी, वीरेन्द्र कुमार, अपर सांख्यिकी अधिकारी, शिव बिहारी शुक्ला, जिला पंचायती राज अधिकारी, विपुल कुमार, प्रतिनिधि, क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हापुड़ तथा जनपद के समस्त सम्बन्धित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला पर्यावरण समिति के अंतर्गत समिति अध्यक्ष के द्वारा समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद स्थित पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने हेतु जनपद में प्लास्टिक वेस्ट का मैनेजमेंट, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के अनुरूप करें। मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा समस्त अधिशासी अधिकारियो को निर्देशित किया कि वह जनपद स्थित कूड़े कचरे का निस्तारण उचित व्यवस्था के साथ करते हुए डोर टू डोर वेस्ट का कलेक्शन कर दिए गए नियमों के अनुसार मैनेजमेंट करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला गंगा समिति की बैठक के अंतर्गत समिति अध्यक्ष के द्वारा प्रदेश में छोटी एवं सहायक नदियों के पुनरुद्धार एवं कायाकल्प हेतु काली नदी का चयन करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को काली नदी के कार्य योजना तैयार की जाने और किसी भी प्रकार से प्रदूषित जल गंगा नदी में प्रवाहित न होने दें।

जिला वृक्षारोपण समिति के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि वर्ष 2020-21, 2021-22 एवं 2022-23 में किए गए वृक्षारोपण की थर्ड पार्टी मॉनिटरिंग हेतु आवश्यक सूचना एवं अभिलेख समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराए जाएं, ताकि कार्यों की पारदर्शी समीक्षा सुनिश्चित की जा सके। समिति अध्यक्ष द्वारा समस्त विभागो को निर्देशित किया गया कि वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में वृक्षारोपण कार्यों का सत्यापन का कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाये तथा वृक्षारोपण वर्ष 2026-27 में कराएं जाने वाले वृक्षारोपण हेतु आवंटित लक्ष्यों के सापेक्ष शत-प्रतिशत भूमि चिन्हांकन तथा अग्रिम मृदा कार्य (गड्ढा खुदान) करते हुये उसकी सूचना प्रभागीय वनाधिकारी कार्यालय में प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।

बहरौरा गांव में मनाई गई बुद्ध पूर्णिमा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। माल विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बहरौरा के मजरा मगरौरा में बुद्ध पूर्णिमा का पावन पर्व बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम वासियों व क्षेत्रवासियों ने मिलकर बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में नरेंद्र कुमार गौतम (बहुजन समाज पार्टी के युवा नेता) भारी संख्या में अपने समर्थकों के साथ शामिल हुए। यह आयोजन राजेंद्र गौतम के निवास पर संपन्न हुआ, जहां क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कमलेश गौतम, दुर्गेश कुमार, कैलाश गौतम, धर्मवीर गौतम, राहुल, चंदन, राज बौद्ध, अजीज हसन सहित कई अन्य साथियों की उपस्थिति रही।

पूरे कार्यक्रम के दौरान भगवान बुद्ध के उपदेशों को याद किया गया और आपसी भाईचारे, शांति एवं सद्भाव का संदेश दिया गया।

जल कुण्डी व परिण्ड़ों से मिल रही है पशु-पक्षियों को राहत: बोहरा

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बाड़मेर राजस्थान। भीषण गर्मी के दौर में थार के मरूस्थल में अबोल पशु-पक्षियों की जल सेवा को लेकर जन कल्याण संस्थान, बाड़मेर की ओर से लगातार सेवा कार्य किये जा रहे है। जिस कड़ी में शुक्रवार को सांसियों का तला में संस्थान अध्यक्ष व स्टेट अवार्डी शिक्षक मुकेश बोहरा अमन के सानिध्य में विद्यार्थियों को मिट्टी के परिण्डे वितरित किये गये ।

वहीं बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। साथ ही विद्यालय परिसर के बाहर पशु जल सेवा को लेकर जल कुण्डी स्थापित की गई। संस्थान से जुड़े राजेश जोशी ने बताया कि जन कल्याण संस्थान की ओर से जीवों के कल्याण को लेकर कई कार्यक्रम चलाये जा रहे है।

जिस कड़ी में शुक्रवार को सांसियों का तला में विद्यार्थियों को 150 मिट्टी के परिण्डे वितरित किये गये। वहीं पशुओं के लिए जल कुण्डी लगाई गई। कार्यक्रम में बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। विद्यालय में पक्षियों के लिए मिट्टी के परिण्डे लगाएं गए।

संस्थान अध्यक्ष मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि थार के मरूस्थली क्षेत्रों में भीषण गर्मी दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में जन कल्याण संस्थान की ओर से चलाये जा रहे जल कुण्डी अभियान व परिण्डा अभियान से पशु-पक्षियों को काफी राहत मिल रही है। अमन ने कहा कि जीवों के प्रति दया व करुणा भाव से ही विकट भीषण गर्मी के इस दौर में भी जीवों की सेवा व कल्याण हो सकेगा। संस्थान के 2500 परिण्ड़ों के लक्ष्य को लेकर कार्यकताओं द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग स्थानों पर परिण्डे लगाएं जा रहे है। इस दौरान मुकेश अमन, पीटीआई राजेश जोशी, रूपाराम बेनिवाल, सुनिल आचार्य सहित विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राजाखेड़ा में श्रमिक दिवस पर बिजली कर्मचारियों का सम्मान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

राजाखेड़ा धौलपुर राजस्थान। श्रमिक दिवस के अवसर पर जेवीवीएनएल उपखंड राजाखेड़ा में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान सहायक अभियंता आनंद तिवारी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बिजली कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सहायक अभियंता आनंद तिवारी ने कहा कि बिजली कर्मचारी हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं। उनका योगदान सराहनीय है और विभाग के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर कनिष्ठ अभियंता मयंक मिश्रा, विशाल जायसवाल, रणवीर सिंह मूंड सहित वरिष्ठ टेक्निशियन अवधेश शर्मा, भूदेव सिंह, वीरेंद्र, सोनेश, अम्बरीष, रामनरेश, राजेश, संजीव पाठक, डालचंद, पुनीत, रामफूल, राकेश, विपिन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन कर्मचारियों के उत्साहवर्धन और सम्मान के साथ हुआ।

पूरनपुर से हज के लिए जत्था हुआ रवाना

लुकमान खान

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। मदीना नगर पूरनपुर से हाज़ियो के स्वागत में मदीना अकैडमी की ओर से इस्तकबाल प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें मदीना मस्जिद धनाराघट के खतीम इमाम मुफ्ती नूर मोहम्मद हसनी ने हज उमरा यात्रा को जाने वाले हाजियों का फूल मालाओं से स्वागत किया गया गोल्डमेडलिस्ट मुफ्ती साजिद हसनी कादरी ने हज यात्रियों को हज के अरकान व आदाएगी पर रोशनी डाली शुक्रवार को मदीना नगर से हज यात्रा के लिए लोगों का जत्था रवाना हुआ, जिन्हें परिजनों और क्षेत्रवासियों ने भावुक माहौल में विदाई दी।

काफिला लखनऊ से रवाना होकर मक्का और मदीना के लिए उड़ान भरेगा। नगर के मोहल्ला साहूकारा लाइनपार मदीना नगर निवासी लईक अहमद मुबारिक हुसेन अंसारी इस पवित्र यात्रा पर रवाना हुए। विदाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने फूल-मालाएं पहनाकर और गले लगाकर हाजियों को अलविदा कहा। मुफ्ती साजिद हसनी ने कहा कि इस्लाम धर्म के अनुसार हज को एक महत्वपूर्ण फर्ज माना गया है, जिसे हर सक्षम मुस्लिम को जीवन में कम से कम एक बार हज उमरा जरूर अदा करना चाहिए।

इस दौरान लोगों ने हाजियों से अपने और समाज की खुशहाली के लिए दुआ करने की गुजारिश भी की। विदाई कार्यक्रम में हाजी हाशिम खान मुफ्ती नूर मोहम्मद हसनी, मुफ़्ती साजिद हसनी कादरी नजर कुरैशी इफ्तिखार खान मोहम्मद रिजवान बब्बू (पूर्व प्रधान) मौलवी सद्दाम कुरैशी हाजी अबरार गयासुद्दीन मंसूरी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी कविता मीना ने अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर इंडस्ट्री एरिया में पहुंच कर सुनी मजदूरो की समस्या

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर इंडस्ट्रियल एरिया में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने संगोष्ठी में पहुंचकर वहां उपस्थित सभी मजदूरों से उनकी समस्या की जानकारी ली। संगोष्ठी में उपस्थित मजदूरों ने जिलाधिकारी को अपनी अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया। इस पर जिलाधिकारी ने संगोष्ठी में उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मजदूरों की जो भी समस्या है इसका जल्द से जल्द निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा सहित संबंधी विभाग के अधिकारी व मजदूर लोग भी उपस्थित रहे।

वार्ड नंबर 44 में 15 वर्षों से सड़क और पानी की समस्या, जनता में भारी आक्रोश- जुनैद सैफी के नेतृत्व में उठा मुद्दा

लुकमान खान

पीलीभीत/अलीगढ़ (वेलकम इंडिया)। शहर के वार्ड नंबर 44, शाहपुर रोड स्थित शिफा लॉज के पास की गली में पिछले करीब 15 वर्षों से सड़क और स्वच्छ पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। मूलभूत सुविधाओं के अभाव में क्षेत्र की जनता बेहद परेशान है और अब उनका आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, गली में आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है। हल्की बारिश होते ही पूरी गली में जलभराव और कीचड़ की स्थिति बन जाती है, जिससे लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है, बुजुर्गों को चलने-फिरने में कठिनाई होती है और महिलाओं को दैनिक कार्यों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पेयजल की समस्या भी यहां गंभीर बनी हुई है। क्षेत्र में स्वच्छ और नियमित पानी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। लोगों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है, जिससे उनका समय और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। कई बार लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है, जो एक बड़ी चुनौती बन चुका है। इसी गंभीर समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अमर टिकैत) के जुनैद सैफी (यूथ सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी (SDM) को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अपनी समस्याओं को प्रशासन के सामने रखा।

भारतीय किसान यूनियन (अमर टिकैत) के यूथ सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जुनैद सैफी, क्षेत्रीय लोगों के साथ उप जिलाधिकारी (SDM) को वार्ड नंबर 44 की समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए।

जुनैद सैफी (यूथ सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) ने प्रशासन को अवगत कराते हुए कहा कि यह केवल एक गली की समस्या नहीं है, बल्कि यह जनता के अधिकार, सम्मान और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ा हुआ मुद्दा है। उन्होंने कहा कि जब तक जनता को उनका हक नहीं मिलता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारतीय किसान यूनियन (अमर टिकैत) अब इस मुद्दे को लेकर पूरी मजबूती से मैदान में उतर चुका है और जरूरत पड़ने पर बड़े स्तर पर आंदोलन भी किया जाएगा।

क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि पार्षद द्वारा दो बार चुनाव जीतने के बावजूद केवल आश्वासन ही दिए गए, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्य नहीं कराया गया। इस पर जुनैद सैफी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि अब जनता को केवल वादे नहीं, बल्कि जमीन पर काम चाहिए। जुनैद सैफी (यूथ सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) ने यह भी कहा कि भारतीय किसान यूनियन (अमर टिकैत) हमेशा किसानों, मजदूरों और बेरोजगारों की आवाज रहा है और आगे भी हर अन्याय के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ता रहेगा।

मवीकलां गांव के सुप्रसिद्ध समाजसेवी जयसिंह शर्मा को हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

विवेक जैन

बागपत(वेलकम इंडिया)। खेकड़ा क्षेत्र स्थित ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल मवीकलां के प्रबन्धक व सुप्रसिद्ध समाजसेवी पंड़ित जयसिंह शर्मा जी की तेरहवीं मवीकलां के दा हरी कैसल बैंकट हॉल में आयोजित की गयी। पंड़ित जयसिंह शर्मा जी की तेरहवीं में धार्मिक, सामाजिक, शैक्षिक, राजनैतिक आदि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हजारों लोगों ने शिरकत की। समाज के वरिष्ठ एवं सम्मानित लोगों ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करके स्वर्गीय पंड़ित जयसिंह शर्मा जी के बड़े पुत्र व ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल मवीकलां के प्रधानाचार्य पंड़ित ब्रिजेश कुमार शर्मा के सिर पगड़ी बॉधकर उनको परिवार का मुखिया नियुक्त किया।इस अवसर पर अनेकों वक्ताओं ने पंड़ित जयसिंह शर्मा जी के महान व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। वक्ताओं ने कहा कि पंड़ित जयसिंह शर्मा जी का निधन हमारे और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कर पाना सम्भव नही है।इसके उपरान्त सभी ने दो मिनट का मौन रखकर परमपिता परमेश्वर से पंड़ित जयसिंह शर्मा जी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके चित्र के सम्मुख पुष्प चढ़ाकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर पंड़ित जयसिंह शर्मा जी के छोटे पुत्र पंड़ित देवदत्त शर्मा, भतीजे धनपाल शर्मा और राकेश शर्मा, बागपत विधायक योगेश धामा, पूर्व राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार डॉक्टर कुलदीप उज्जवल, राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष सुभाष गुर्जर, महामहिम राष्ट्रपति जी व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन बागपत, रालोद के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉक्टर जगपाल तेवतिया, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र त्यागी, तीन सौ साठ सर्व खाप चौधरी नरेश शर्मा, चौरासी देशखाप चौधरी सुभाष शर्मा, बागपत जिला जाट सभा के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र धामा, बागपत शुगर मिल के चेयरमैन कृष्णपाल सिंह, एम एम डिग्री कॉलेज खेकड़ा के प्राचार्य सुनील कुमार, अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा बागपत के जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, उमाशंकर शर्मा खेकड़ा, शिक्षक रवि शंकर शर्मा पाली, सतवीर सिंह मवीकला, सुशील शर्मा मवीकला, प्रवीन धामा, सतीश कौशिक बसी, एडवोकेट मनोज आर्य टटीरी, संत कुमार धामा हसनपुर मसूरी, राधेश्याम शर्मा बागपत, रामकुमार शर्मा घिटोरा, वीरेंद्र यादव गौना, जयभगवान शास्त्री निबाली, नवीन प्रधान हसनपुर मसूरी, पवन शर्मा हसनपुर मसूरी, दिनेश शर्मा हसनपुर मसूरी, पंड़ित जयसिंह शर्मा जी के पौत्र सुरेश शर्मा, उज्जवल पाराशर, आरव पाराशर सहित हजारों की संख्या में परिजन व शुभचिंतक उपस्थित थे।

गोवर्धन में मजदूर दिवस मनाया गया, ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ श्रमिकों का सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। भगवान श्रीकृष्ण की पावन लीला स्थली गोवर्धन में आज मजदूर दिवस बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें श्रमिकों के योगदान को सराहा गया।

सरकारी कार्यालयों में मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर कर्मचारियों और श्रमिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। वहीं, निजी प्रतिष्ठानों में भी इस दिन को खास बनाने के लिए कई पहल की गईं। प्रतिष्ठान संचालकों ने अपने यहां कार्यरत मजदूरों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

विशेष रूप से अडींग गांव में निजी प्रतिष्ठानों के संचालकों द्वारा मजदूरों का स्वागत किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। इस दौरान पवन कुमार, डॉली, आशु, लवनीष यादव, सत्यवीर सहित अन्य श्रमिकों को दुप्पटा पहनाकर, मिठाई खिलाकर और उपहार भेंट कर उनके कार्य के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रमों में श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक योगदान पर भी प्रकाश डाला गया। शिवम गर्ग, गब्बर सैनी व अन्य वक्ताओं ने कहा कि देश और समाज के विकास में श्रमिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके बिना किसी भी निर्माण कार्य या उद्योग की कल्पना अधूरी है। इसलिए श्रमिकों के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

मजदूर दिवस के इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और सभी ने मिलकर श्रमिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट की।

चिल्ड्रन्स एकेडमी में मैप क्विज का आयोजन

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। चिल्ड्रन्स एकेडमी में मैप क्विज का आयोजन किया गया। जिसमें चारों हाउस अरावली हाउस, शिवालिक हाउस, नीलगिरी हाउस व विंध्याचल हाउस के कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कक्षावार परिणाम निम्नलिखित रहे। कक्षा 6 से विंध्याचल हाउस, कक्षा 7 से अरावली हाउस तथा कक्षा 8 से शिवालिक हाउस विजयी रहे। संयुक्त हाउसवार परिणाम में अरावली हाउस प्रथम, नीलगिरी हाउस द्वितीय तथा विंध्याचल व शिवालिक तृतीय स्थान पर रहे। इसमें अरावली हाउस से अनंत, यक्षी, मुदित, हमदान, आराध्या व सृष्टि, शिवालिक हाउस से अबू बकर, अरनव, साद मलिक, अयाज व शिवांशी, नीलगिरी हाउस से लक्ष्य, अन्वी, पियूष, यासिर, निशान्त, ट्विंकल तथा विंध्याचल हाउस से अरविंदर, अली शाहिद, मेधांशु, मान्वी राणा, आराध्या, अक्षिता व सियारा ने मानचित्र में सही स्थान को दशार्या। आयोजन प्रधानाचार्य अश्वनी शर्मा ने किया। इसमें रचना यादव, राखी आर्य, दलवीर सिंह, ख्याति चौधरी व अतुल जोशी आदि का सहयोग रहा। विद्यालय के चेयरमैन सत्यवीर गुप्ता ने बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

एसएसपी ने फीता काटकर किया जैत थाने के नवनिर्मित स्वरूप का लोकार्पण

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/चौमुहाँ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने शुक्रवार को थाना जैत के नवनिर्मित और सौंदर्यीकरण कार्यों का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान एसएसपी, एसपी सिटी, सीओ सदर और थाना प्रभारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नवनिर्मित कक्षों का लोकार्पण किया। थाना प्रभारी उमेश चंद्र त्रिपाठी के विशेष प्रयासों से थाने की सूरत बदली गई है, जिसकी उच्चाधिकारियों ने जमकर सराहना की।

थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने हवालात, जीडी कार्यालय और मीटिंग रूम के सौंदर्यीकरण कार्य का बारीकी से अवलोकन किया। इससे पूर्व, थाना प्रभारी द्वारा मिशन शक्ति कक्ष, हनुमान मंदिर निर्माण और मुख्य कार्यालय का भी कायाकल्प कराया जा चुका है। अत्याधुनिक सुविधाओं और बेहतर वातावरण के साथ अब यह थाना पुलिसकर्मियों के साथ-साथ फरियादियों के लिए भी काफी सुविधाजनक नजर आ रहा है।

इस अवसर पर एसपी सिटी राजीव कुमार, सीओ सदर पीपी सिंह और सीओ सिटी आशना चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने थाना प्रभारी की कार्यशैली और पुलिसिंग के साथ-साथ व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उनके जुनून की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि थाना प्रभारी उमेश चंद्र त्रिपाठी का सौंदर्यीकरण के प्रति विशेष लगाव रहा है। जैत उनके कार्यकाल का 11वां थाना है, जहां उन्होंने अपनी व्यक्तिगत मेहनत और रुचि से पुलिस कार्यालय के बुनियादी ढांचे को नया रूप दिया है। उनके इस समर्पित प्रयास के लिए विभाग के उच्चाधिकारियों और अन्य सहयोगियों ने उन्हें बधाई दी।

अपना समाज संगठन हापुड़ ने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मजदूरों का किया सम्मान

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर अपना समाज संगठन हापुड़ द्वारा मजदूरों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रमिक भाई-बहनों को भीषण गर्मी से बचाव के लिए गमछा तथा पानी पीने हेतु बोतल उपहार स्वरूप भेंट की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि देश की प्रगति और हर निर्माण कार्य में मजदूर वर्ग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। सड़क निर्माण, भवन निर्माण, फैक्ट्रियां, कारखाने और कोयले की खदानों सहित प्रत्येक क्षेत्र में मजदूर अपनी मेहनत से देश को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं, लेकिन अक्सर उनके योगदान को भुला दिया जाता है।संगठन के सदस्यों ने सभी लोगों से संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि मजदूरों को बेहतर कार्य वातावरण, सम्मानजनक व्यवहार और उनके अधिकारों का पूरा सम्मान मिलना चाहिए। यही मजदूरों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।इस अवसर पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को याद करते हुए जतिन आजाद ने कहा कि भारत में मजदूरों के अधिकारों के लिए बाबा साहेब का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने मजदूरों के 12-14 घंटे के कार्य समय को घटाकर 8 घंटे करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने सफलतापूर्वक की स्व-गणना

वेलकम इंडिया ब्यूरो

धौलपुर राजस्थान। जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी तथा जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान द्वारा स्वयं ऑनलाइन पोर्टल se.census.gov.in के माध्यम से अपनी स्व-गणना सफलतापूर्वक पूर्ण की गई। इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना 2027 के इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई ऑनलाइन स्व-गणना सुविधा के अंतर्गत नागरिक 1 से 15 मई तक स्वयं अपने परिवार के सभी आवश्यक विवरण आधिकारिक वेब पोर्टल se.census.gov.in पर दर्ज कर सकते हैं।

जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने कहा कि जनगणना देश के विकास की आधारशिला है, जिसके माध्यम से सरकार को योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के उचित वितरण तथा कल्याणकारी नीतियों के क्रियान्वयन में सहायता मिलती है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे बिना किसी देरी के इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाते हुए अपनी एवं अपने परिवार की सही जानकारी दर्ज करें। वहीं जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने कहा कि स्व-गणना प्रक्रिया न केवल सरल और सुरक्षित है, बल्कि यह समय की बचत भी करती है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की गलत सूचना से बचते हुए केवल अधिकृत पोर्टल पर ही अपनी जानकारी साझा करें। दोनों अधिकारियों ने संयुक्त रूप से संदेश दिया कि जनगणना 2027 एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने जिले के सभी निवासियों से इस कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करने और समय पर स्व-गणना पूर्ण करने का आग्रह किया।

आगरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: ऑपरेशन अस्मिता के तहत अवैध धर्मांतरण नेटवर्क पर करारा प्रहार

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में कमिश्नरेट आगरा पुलिस ने 'ऑपरेशन अस्मिता' के तहत अवैध धर्मांतरण से जुड़े एक संगठित नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दिल्ली और राजस्थान में एक साथ दबिश देकर अंजाम दी गई, जिससे पूरे गिरोह की गतिविधियों का खुलासा हुआ है।

पुलिस के अनुसार, सदर बाजार थाने में दर्ज मामले की जांच के दौरान महत्वपूर्ण तकनीकी साक्ष्य और गवाहों के बयान सामने आए। इन्हीं आधारों पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने छह विशेष टीमों का गठन किया। इन टीमों ने सुनियोजित रणनीति के तहत अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि आरोपी एक संगठित नेटवर्क के तहत काम कर रहे थे। यह नेटवर्क आपसी संपर्क, संसाधनों के प्रबंधन और नए लोगों को जोड़ने जैसी गतिविधियों में सक्रिय था। पुलिस का कहना है कि इससे पहले भी इसी मामले में 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नेटवर्क काफी व्यापक था। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है और उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है और तकनीकी जांच के माध्यम से पूरे मामले की गहराई से पड़ताल कर रही है।

आगरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: ऑपरेशन अस्मिता के तहत अवैध धर्मांतरण नेटवर्क पर करारा प्रहार

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। आगरा में कमिश्नरेट आगरा पुलिस ने 'ऑपरेशन अस्मिता' के तहत अवैध धर्मांतरण से जुड़े एक संगठित नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दिल्ली और राजस्थान में एक साथ दबिश देकर अंजाम दी गई, जिससे पूरे गिरोह की गतिविधियों का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, सदर बाजार थाने में दर्ज मामले की जांच के दौरान महत्वपूर्ण तकनीकी साक्ष्य और गवाहों के बयान सामने आए। इन्हीं आधारों पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने छह विशेष टीमों का गठन किया।इन टीमों ने सुनियोजित रणनीति के तहत अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि आरोपी एक संगठित नेटवर्क के तहत काम कर रहे थे। यह नेटवर्क आपसी संपर्क, संसाधनों के प्रबंधन और नए लोगों को जोड़ने जैसी गतिविधियों में सक्रिय था। पुलिस का कहना है कि इससे पहले भी इसी मामले में 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नेटवर्क काफी व्यापक था। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है और उनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है और तकनीकी जांच के माध्यम से पूरे मामले की गहराई से पड़ताल कर रही है।

सोशल मीडिया पर स्टंटबाजी पड़ी भारी, गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने तीन युवकों को दबोचा

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही खतरनाक स्टंटबाजी की वीडियो का संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने एक मोटरसाइकिल पर छह युवकों द्वारा जानलेवा स्टंट करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि प्रयुक्त मोटरसाइकिल को सीज कर दिया गया।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की गई। पुलिस के अनुसार वायरल वीडियो में युवक यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए सड़क पर खतरनाक तरीके से स्टंट करते दिखाई दे रहे थे, जिससे आमजन की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता था।गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस ने मामले की जांच करते हुए स्टंट करने वाले युवकों की पहचान की और त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने संबंधित मोटरसाइकिल को भी सीज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क पर स्टंटबाजी, यातायात नियमों का उल्लंघन एवं आमजन की जान जोखिम में डालने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वदेश सेवा संस्थान में प्रेरणात्मक कार्यक्रम, मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज स्वदेश सेवा संस्थान (NGO) द्वारा आज एक प्रेरणात्मक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए विशिष्ट अतिथियों ने बच्चों एवं स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना एवं समाजसेवा की भावना को प्रोत्साहित करना था।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अभिनेता दानिश इकबाल, जिन्होंने 'धुरंधर 2' में दाऊद की भूमिका निभाई है, ने अपने फिल्मी सफर और संघर्षों के अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को लगातार अभ्यास, कठिन परिश्रम और अनुशासन का महत्व समझाते हुए कहा कि लक्ष्य वही प्राप्त करता है जो निरंतर प्रयास करता है।

UPPCS 2024 में रैंक 22 प्राप्त करने वाले आनंद राज सिंह ने विद्यार्थियों को तैयारी के तरीकों, समय-प्रबंधन और लक्ष्य निर्धारण के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि सफलता पाने के लिए निरंतरता और धैर्य आवश्यक हैं।

कार्यक्रम में डॉ. कविता अग्रवाल, अभिषेक मिश्र, रुचिन सर, प्रयागराज से सरार्फा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश सिंह जी तथा BIG FM के फख़ निवेश भी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने अपने अनुभवों के आधार पर जीवन मूल्य, शिक्षा, सकारात्मक दृष्टिकोण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर विचार व्यक्त किए। फखॖ निबेश ने अपने ऊजार्वान अंदाज से कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया।

समारोह के दौरान कक्षा 10 वी और 12 वी के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कक्षा 10 के विद्यार्थियों में सिमरन (92%), अनिकेत (77%), पायल (78%), महक (82%), प्रियंका (85%), सुमित (70%) और विवेक (60%) शामिल रहे। कक्षा 12 से सान्या भारतीय (65%) को सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा इन सभी मेधावी छात्रों को प्रमाणपत्र व सम्मान प्रतीक प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना की गई तथा संस्था द्वारा संचालित शिक्षा एवं सामाजिक गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

अंत में स्वदेश सेवा संस्थान के संस्थापक सचिन सिंह एवं उनके समस्त पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में उत्साह, प्रेरणा और सकारात्मक सोच विकसित करने में अत्यंत सहायक होते हैं।

मजदूर दिवस पर भट्टा मजदूरों को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर अफकार इंडिया फाउंडेशन की ओर से गांव किवाना में भट्टा मजदूरों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मजदूरों को उनके अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। संस्था के कार्यकर्ता राहुल कुमार ने बताया कि फाउंडेशन पिछले 13 वर्षों से शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में कार्य कर रही है। उन्होंने मजदूर दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रमिक पंजीकरण, स्वास्थ्य लाभ, मातृत्व सहायता और पेंशन योजनाओं की जानकारी दी। कार्यकर्ता आबिद मजीदी ने मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी, सुरक्षित कार्यस्थल, तय कार्य समय और सामाजिक सुरक्षा के अधिकारों के बारे में बताया। वहीं, यासमीन ने बच्चों की शिक्षा और बाल मजदूरी के नुकसान पर जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में आयशा मलिक ने मजदूरों का आभार जताते हुए उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में मजदूर मौजूद रहे।

केंद्र व राज्य सरकार की टीम द्वारा किया गया संयुक्त सर्वेक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन केंद्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र गोरखपुर से आई टीम द्वारा राज्य कृषि रक्षा विभाग के अधिकारीयों के साथ मिलकर संयुक्त सर्वेक्षण किया गया। टीम द्वारा संत कबीरनगर जनपद के प्रभावित गांव गायघाट व चोलखरी में लगे मक्के के फसल में निरीक्षण किया गया। इस दौरान सर्वेक्षण टीम को सैनिक कीट (स्पोडोपटेरा फ्रूगीपरडा) से प्रभावित फसल कुछ सीमित स्पॉट पर दिखा हालांकि क्षेत्र में कीट के कुछ पतंगे देखे गए।

मौके पर जिला कृषि रक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार व केंद्र के सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी अवधेश कुमार द्वारा आई पी एम विधि अपनाने का आग्रह किया गया एवं खेत में गंधपाश यंत्र लगाया गया, जिन खेतो में कीट का प्रभाव ज्यादा देखा गया वहाँ केंद्रीय कीटनाशी बोर्ड एवं पंजीयन समिति द्वारा संस्तुत रासायनों उपयोग करने का सुझाव दिया गया। टीम द्वारा बायोपेस्टिसाइड का वितरण भी किया गया एवं उपस्थित किसानो को बीज शोधन के फायदे व व्यवहारिक ज्ञान दिया गया। तत्पश्चात किसानों को भारत सरकार के एनपीएसएस ऐप को डाउनलोड करा कर नाशीजीव पहचान करने व डाटा एंट्री करने का व्यहवाहरिक ज्ञान दिया गया।

सर्वेक्षण टीम में जैविक भवन गोरखपुर से सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी अवधेश कुमार, रत्नेश कुमार मिश्रा, मोनल कुमार सिंह, राज्य कृषि विभाग से उप जिला कृषि रक्षा अधिकारी अजय दीप,नाथनगर विकास खंड के बीज गोदाम प्रभारी गोरखनाथ चौधरी , तकनीकी सहायक रामजी चौधरी व स्थानीय प्रगीतिशील किसान दिलीप कुमार, सुनील सिंह एवं अन्य कृषक आदि उपस्थित रहे।

पड़ोसियों पर युवक से मारपीट का आरोप, जान से मारने की धमकी देने की शिकायत

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के मोहल्ला खेल में पड़ोसियों द्वारा एक युवक के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करने का मामला सामने आया है।

पीड़ित पक्ष ने तीन युवकों के खिलाफ थाने में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला खेल निवासी आफताब ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका बेटा घर के बाहर सड़क पर खड़ा था। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस के तीन युवक तेज रफ्तार बाइक पर वहां पहुंचे और बाइक से उसके बेटे को टक्कर मार दी।

विरोध करने और समझाने का प्रयास करने पर आरोपी भड़क गए और गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि कुछ ही देर में आरोपी लाठी-डंडे लेकर आ गए और युवक पर हमला कर दिया।

मारपीट के दौरान युवक को गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी और उग्र हो गए तथा पीड़ित को जान से मारने की धमकी देने लगे।

आरोपियों ने शिकायत करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी दी। मोहल्ले के लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित पक्ष ने तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

सफलता के लिए सपने देखना जरूरी- मोहम्मद अहमद

मेहनत और लगन ही कामयाबी की असली कुंजी है- निसार अहमद नदवी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। अल हिदायह ग्रुप ऑफ पब्लिक स्कूल्स, सेमरियावां में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद अहमद ने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए सपने देखना जरूरी है। उन सपनो को पूरा करने के लिए मेहनत करनी चाहिए। अपने जीवन का लक्ष्य बनाइये। समय का सदुपयोग, निरंतर प्रयास करते रहिये। तालीम ही इंसान की सबसे बड़ी दौलत है, और हमारे बच्चे ही हमारे बेहतर मुस्तकबिल की उम्मीद हैं।

इस मौके पर मैनेजर निसार अहमद नदवी ने कहा कि 'मेहनत और लगन ही कामयाबी की असली कुंजी है, और हमारे बच्चे ही हमारे रोशन मुस्तकबिल की पहचान हैं।' होनहार विद्यार्थियों को उनकी शानदार कामयाबी पर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर जनाब तौफीक अहमद साहब ने कहा कि 'बच्चों की कामयाबी ही हमारी असली कामयाबी है, और तालीम ही उन्हें ऊँचाइयों तक पहुँचाने का सबसे मजबूत जरिया है। इस अवसर पर निसार अहमद, अबरार अहमद, मोहम्मद अहमद, अर्शी अहमद, तौफीक अहमद, अजहरुद्दीन, मोहम्मद, अशरफ, मोहम्मद मोहसिन, हैदर मंसूरी, विनोद कुमार, विशाल यादव, विजय शंकर, सूरज कुमार और आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने जनाक्रोश यात्रा निकाली, फूंका पुतला

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। विपक्षी दलों द्वारा संसद में महिला बिल के प्रस्ताव का विरोध करने के खिलाफ भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने जनआक्रोश यात्रा निकाल कर पुतला दहन किया।

भारतीय जनता पार्टी हाई कमान के निदेर्शानुसार भाजपा की महिला कार्यकर्ता सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में एकत्रित हुई यहां से डॉ शीला राणा के नेतृत्व में महिला बिल के पक्ष में नारेबाजी करते हुए यात्रा निकाली और शिव मंदिर चौक पहुंचकर पुतला दहन कर आक्रोश जताया इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख आकांक्षा चौहान, डॉ शीला राणा, मंडल अध्यक्ष निशांत कर्णवाल, डॉ जसविंदर कौर, कमलेश प्रजापति, मंडल मंत्री सरौता सिसोदिया, शशि अग्रवाल, सर्वेश त्यागी, स्वाति रस्तोगी, रेनू चौहान, ज्योति चौहान, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

ग्राम सभा भूमि पर किए गए/ किया जा रहे अवैध अतिक्रमण को खाली कराकर भूमि को सुरक्षित किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शुक्रवार को विकास खंड सेमरियावां के रक्शा देवई में उपजिलाधिकारी सदर हृदयराम तिवारी के नेतृत्व में राजस्व कर्मियों ने अवैध अतिक्रमण को खाली कराकर भूमि को सुरक्षित किया। उपजिलाधिकारी सदर हृदयराम तिवारी के नेतृत्व में राजस्व कर्मियों और पुलिस बल ने रक्शा देवई के गाटा संख्या-149/0.100 हे. पर अवैध रूप से किये गये अतिक्रमण को खाली कराकर सुरक्षित किया। उपजिलाधिकारी सदर हृदयराम तिवारी ने बताया कि गाटा सं. -149/0.100 हे. रक्शा देवई की ग्राम सभा की संपत्ति है इस पर किसी प्रकार के अवैध कब्जे पर या अनाधिकृत हस्तक्षेप पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर तहसीलदार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार परवेज खान की पुत्री बनी चिकित्सक, घर में खुशी का माहौल

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामपुर। रामपुर के वरिष्ठ समाज सेवी एवं पत्रकार परवेज खान की साहबजादी फायजा खान के चिकित्सक बनने पर रामपुर की इल्म ओ अदब से जुड़ी मशहूर शख्सियत अहमद खान सुरूर ने अंजुमन तरक्की उर्दू कमेटी की ओर से प्रशस्ति पत्र भेंट किया और इस बात की सराहना करते हुए कहा कि फायजा खान मेरी शार्गिद रहीं हैं और उन्होने जो उपलब्धि हासिल की है वह मुबारकबाद की मुस्तहिक है। मुझे इस मौके पर बहुत खुशी महसूस हो रहीं हैं कि हमारी नई पीढी ऐसे मुकामात हासिल कर रहीं है जिससे इंसानियत को फायदा पहुंचेगा।

इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार परवेज खान ने कहा कि आज की युवा पीढी हर क्षेत्र में अपने हुनर का लोहा मनवा रहीं हैं। उन्होने कहा कि रामपुर में प्रतिभा के साथ-साथ उच्च शिक्षा हासिल करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है। उन्होने कहा कि रामपुर पूर देश में पहले ही अदब का गहवारा रहा है लेकिन आज की पीढी इसे और निखारने में लगी हुई हैं ताकि रामपुर का नाम पूरी दुनिया में रौशन हो सकें।

9-10 मई 2026 को आयोजित होगा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत जिला प्रशिक्षण वर्ग

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पीलीभीत आज भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की जिला योजना कार्यसमिति बैठक संपन्न हुई इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जलालाबाद विधायक हरि प्रकाश वर्मा उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने की कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अनुराग अग्निहोत्री ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर द्वीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रीय गीत से हुआ प्रशिक्षण वर्ग के प्रभारी और जलालाबाद विधायक हरि प्रकाश वर्मा ने बताया कि 9 मई से 10 मई 2026 तक पूरनपुर के स्वामी एजुकेशनल महाविद्यालय पूरनपुर में जिला प्रशिक्षण वर्ग आयोजित होगा जिसमें भाजपा के जिला पदाधिकारी , मंडल अध्यक्ष , जिला कार्यसमिति अध्यक्ष , मोर्चों के जिलाध्यक्ष उपस्थित रहेंगे ।

जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने बताया कि जिला प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं इस से पूर्व संगठन द्वारा सभी 19 मंडलों में मंडल प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर , जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा , जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती , रेखा सिंह परिहार ,अतेंद्र पाल सिंह , नमन प्रताप राजपूत , आयुष मिश्रा , विकास श्रीवास्तव , मान सिंह राठौर , मनोज गुप्ता ,जिला मंत्री सत्यपाल वर्मा , ऋचा सिंह पटेल , सृष्टि गुप्ता , विकास वाल्मीकि , पंकज तिवारी , नागेन्द्र प्रताप सिंह , रेनू राज , अमित कुशवाहा , जिला कोषाध्यक्ष विकास पाल सिंह , जिला मीडिया प्रभारी अभिमन्यु गंगवार , जिला आईटी संयोजक हरिओम शर्मा , जिला सोशल मीडिया संयोजक अभिनीत पाण्डेय , जिला सह मीडिया प्रभारी दीपक सोनकर , जिला आईटी सह संयोजक पंकज प्रजापति , जिला सोशल मीडिया सह संयोजक विजय सरकार , विधानसभा सोशल मीडिया संयोजक विनोद शर्मा , सतनाम सिंह , महेश वर्मा , अलका चौधरी , गीता मिश्रा ,रत्ना शुक्ला , साकेत सक्सेना , मंडल अध्यक्ष इंद्रेश सिंह चौहान , सुमित सागर , भरत राम राजपूत , प्रमोद कश्यप , संजीव त्रिवेदी , संजीव मौर्य , प्यारे लाल कश्यप , महेश राजपूत , महेंद्र पाल राजपूत , विजय सिंह, कपिल सिंह भगवती सिंह ,सुमित गंगवार , संतराम राठौर , जय जय राम राजपूत प्रमुखता से उपस्थित रहे।

रामपुर में मनाया गया अंर्तराष्ट्रीय मजदूर दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामपुर। अंर्तराष्ट्रीय मजदूर दिवस के मौके पर डीएम अजय कुमार द्विवेदी की निर्देश पर सीडीओ की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया। इस मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री का श्रमवीर गौरव समारोह का सीधा प्रसारण सभागार में दिखाया गया।

इस मौके पर सहायक श्रमायुक्त राजकुमार द्वारा श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी श्रमिकों को देते हुए विंगत वित्तीय वर्ष में लाभांवित 972 शिशु हितलाभ योजना एव 814 कन्या विवाह सहायता योजना के लाभार्थियों को लाभ दिये जाने की जानकारी दी गई। उप्र सरकार द्वारा एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के तहत रामपुर में नये उद्योगों की स्थापना के संबंध में जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी के अथक प्रयासों का उल्लेख किया गया जिसके फलस्वरूप जिले में नये उद्योग लगे हैं। उन्होंने सभी श्रमिकों से आहवान किया कि यदि किसी भी श्रमिक को कोई समस्या हो तो तत्काल किसी भी समय उनसे सपर्क करें उनकी समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण किया जायेगा। तीन श्रमिकों को प्रधानमत्री मानध ान के तहत प्रमाण पत्र वितरित किये गये। सीडीओ द्वारा अपने सम्बोधन में श्रमिकों को श्रमिक दिवस की बधाई देते हुए उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को सराहा और उनके योगदान के बिना किसी भी उद्योग व संस्थान का निर्माण नहीं होने की बात कही।

श्रम दिवस पर प्रेस क्लब में पत्रकारों ने दिखाई ताकत

न्यूनतम पेंशन बढ़ाने को लेकर केंद्रीय श्रम मंत्री से मिलेंगे : अनिल राजभर

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम मंत्री अनिल राजभर 3 मई को केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ मनसुख मांडवीया से ईपीएफ की न्यूनतम पेंशन बढ़ाए जाने के संबंध में बात करेंगे ।यह जानकारी आज यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन द्वारा प्रेस क्लब में आयोजित मई दिवस कार्यक्रम में देते हुए उन्होंने बताया कि यूनियन द्वारा इस संबंध में उन्हें पूर्व में दिए गए ज्ञापन पर बातचीत के लिए समय मांगा था। यूनियन की मांग है कि पीएफ की न्यूनतम पेंशन 1000 से बढ़ाकर 5000 रुपए की जाए। अनिल राजभर ने यूनियन से अनुरोध किया कि वह एक वृहद संवाद कार्यक्रम आयोजित करें जिसमें प्रदेश भर के पत्रकार प्रतिनिधि शामिल हो। जिसमें वह भी दो-तीन घंटे समय देंगे। यूनियन के प्रादेशिक अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी द्वारा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में पत्रकारों को पेंशन ,पत्रकार सुरक्षा कानून, पीजीआई में सभी श्रमजीवी पत्रकारों को चिकित्सा सुविधा , प्राथमिकता पर भूखंडों का आवंटन , आर्थिक सहायता के लिए स्थाई व्यवस्था तथा ट्रेन किराए में छूट की व्यवस्था पुनः लागू करने की मांग की गई । विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने कहा कि कलम के सामने चुनौतियां हैं लेकिन पत्रकारों को सच्चाई का पक्ष बहादुरी के साथ रखना चाहिए। समाज के वंचित, परेशान और पीड़ित लोगों की आवाज पत्रकार कलम के माध्यम से सरकार और शासन तक बेबाकी से पहुंचाएं । पत्रकारिता जुनून है एवं राजनीति का क्षेत्र भी जुनून है। हम लोग 24 घंटा क्षेत्र में व्यस्त रहते हैं ।पत्रकार को सहज ,सरल और कर्मठ होना चाहिए । अपने इन्हीं गुणों से वह सरकार और समाज के बीच ऊंचे मानदंड स्थापित करता है। यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियां बढ़ी है ।पहले सरकार के निर्णय की विसंगति की स्वस्थ आलोचना अखबारों में छपती थी ।मुख्यमंत्री भी खबर बन जाते थे ।जिला प्रशासन और शासन के कार्यों की अब स्वस्थ आलोचना भी पत्रकारों के लिए खतरे की घंटी है ।पत्रकारों के विरुद्ध मुकदमे लिखे जा रहे हैं। खबरें रोकी जा रही हैं ।यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। इस अवसर पर हिंद मजदूर महासभा के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर मिश्र ने कहा कि पत्रकारों के वेज बोर्ड बनना बंद हो गए हैं। कोरोना काल के बाद पत्रकारों की सुविधा भी छीन ली गई है ।आज समय इस बात का आ गया है कि हम अपने हक के लिए एकजुट होकर लड़ाई लड़ें। श्रमिकों के लिए अब चार कोड की नई परिभाषा आ गई है लेकिन इससे पत्रकारों का हित नहीं होने वाला है । पहले 8 घंटे की ड्यूटी होती थी ,अब 12 घंटे की ड्यूटी कर दी गई है।

इसी क्रम में यूनियन के मंडल अध्यक्ष शिवशरण सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारों के संगठन तो बहुत बनते जा रहे हैं लेकिन उनके हित की कोई बात जमीनी स्तर पर नहीं कर रहा है। अब एकजुट होकर पत्रकारों की लड़ाई यूनियन लड़ेगी। यूनियन के प्रदेश महामंत्री देवराज सिंह ने कहा कि पत्रकारों के श्रम के साथ न्याय नहीं किया जा रहा है , सरकार को इसे गंभीरता से विचार करना चाहिए। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रजत मिश्रा ने कहा पत्रकारों की समस्याओं को सरकार प्राथमिकता से पूरी करें। इस अवसर पर अनिल त्रिपाठी ,राजीव बाजपेई ,सुमन गुप्ता, कला निधि मिश्रा, अनिल सैनी ,तमन्ना फरीदी , अजीत कुमार सिंह, मुकुल मिश्रा, महिमा तिवारी ,आदर्श प्रकाश सिंह, नासिर ,नायला किदवई ,रेनू निगम, गिरीश श्रीवास्तव, शैलेंद्र सिंह, आशीष सिंह ,त्रिलोक नाथ मिश्रा, शिव विजय सिंह ,नितिन श्रीवास्तव, आदित्य शुक्ला ,नजम एहसन, अब्दुल वाहिद ,जुबेर अहमद ,संजय सिंह ,राकेश शुक्ला ,अमित यादव, राजेश शुक्ला, विजय मिश्रा ,अमरेंद्र सिंह ,हरिराम अरोड़ा ,सूर्य नारायण सिंह ,रामचंद्र वर्मा हुजैफा अबरार, सौरभ निगम एवं प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रेमकांत तिवारी ने किया।

बुद्ध पूर्णिमा पर छात्रों ने दिया शांति और अहिंसा का संदेश

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के कैराना रोड स्थित सेंट द्रोणा पब्लिक स्कूल में बुद्ध पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए तथा शांति, अहिंसा और एकाग्रता का संदेश दिया। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक इंजीनियर अमन शर्मा एवं विधि शर्मा ने विद्यार्थियों को भगवान बुद्ध के जीवन और उनके उपदेशों की जानकारी दी। प्रधानाचार्य विपिन ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि जीवन में अनुशासन, ध्यान और एकाग्रता अपनाने की प्रेरणा देने वाला दिवस है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बुद्ध वंदना एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया। स्कूल परिसर में शांत वातावरण के बीच ध्यान सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों को मन की एकाग्रता और सकारात्मक सोच का महत्व समझाया गया। कार्यक्रम का समापन भगवान बुद्ध के पंचशील सिद्धांतों को अपनाने की शपथ के साथ हुआ। समारोह में राधिका, परीक्षित, अविष्का, किरण, आरव, इनाया, यशवी, प्रियांशी, वीर, अक्षत, शिव, विराट, उदित, तक्ष, आरव सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मिले मधुसूदन गौशाला के संरक्षक बब्बन मियां, क्षेत्र के विकास पर हुई चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। क्षेत्र के गांव चंदियाना निवासी मधुसूदन गौशाला के संरक्षक व क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी बब्बन मियां ने बृहस्पतिवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश के यशस्वी उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य से शिष्टाचार भेंट की। उपमुख्यमंत्री कार्यालय में हुई इस मुलाकात के दौरान क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सकारात्मक चर्चा की गई।

विकास कार्यों को मिलेगी नई गति

मुलाकात के दौरान बब्बन मियां ने उपमुख्यमंत्री को क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और विकास की संभावनाओं से अवगत कराया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जो राज्य स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (DISHA) के सह-अध्यक्ष भी हैं, ने इस दौरान स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही 'दिशा' (DISHA) समिति की बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे लंबित विकास योजनाओं को नई गति प्रदान की जा सके और जनहित के कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके।

उपमुख्यमंत्री की कार्यशैली की प्रशंसा

शिष्टाचार भेंट के उपरांत बब्बन मियां ने उपमुख्यमंत्री के सरल स्वभाव और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा: 'माननीय उपमुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। जनहित के मुद्दों पर उनकी संवेदनशीलता प्रेरणादायक है।

इस मुलाकात और उनके द्वारा दिए गए आश्वासनों से निश्चित रूप से क्षेत्र में विकास कार्यों को एक नई ऊर्जा और गति मिलेगी।'

प्रमुख बिंदुओं पर रहा जोर

मुलाकात के दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित विषयों पर चर्चा केंद्रित रही: गौ-वंश संरक्षण: मधुसूदन गौशाला के माध्यम से गौ-सेवा और उनके बेहतर रख-रखाव पर विचार-विमर्श।

समिति की सक्रियता: राज्य स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (DISHA) की आगामी बैठकों की रूपरेखा।

क्षेत्रीय बुनियादी ढांचा: बुगरासी और आसपास के क्षेत्रों में सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण।

स्थानीय उत्साह: बब्बन मियां और उपमुख्यमंत्री की इस मुलाकात की खबर जैसे ही क्षेत्र में पहुँची, समर्थकों और स्थानीय निवासियों में हर्ष की लहर दौड़ गई।

लोगों का मानना है कि शासन स्तर पर इस तरह के संवाद से क्षेत्र की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ आम जनमानस को मिल सकेगा।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा थाना डिबाई का किया गया औचक निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई/बुलंदशहर। शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन द्वारा थाना डिबाई का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान द्वारा थाना डिबाई के कार्यालय, बन्दीगृह, अभिलेख, बीट बुक रजिस्टर, सीसीटीएनएस, शस्त्रागार, साफ-सफाई, मालखाना, मैस, आवासीय थाना परिसर, थाने में खडे वाहनों आदि को चेक किया गया तथा थाना प्रभारी डिबाई को अभिलेख पूर्ण करने, अभिलेखों का रखरखाव रखने, हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की निगरानी रखने व थाना परिसर को स्वच्छ रखने एवं प्रतिदिन थानाक्षेत्र में भ्रमणशील रहकर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं महिला सम्बन्धी अपराधों पर रोकथाम आदि आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी डिबाई मधूप कुमार सिंह कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विशाल प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

एसपी देहात ने पैदल गस्त कर कस्बा चौकी का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद/बुलंदशहर। शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन द्वारा पुलिस बल के साथ जुमे की नमाज के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से कस्बा जहांगीराबाद में पुलिस बल के साथ पैदल मार्च किया गया। इस दौरान क्षेत्र के प्रमुख मार्गों, बाजारों एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरती गई तथा आमजन को सुरक्षा का एहसास कराया गया।

महोदय द्वारा क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ एक गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में सभी उपस्थित लोगों से आपसी भाईचारा, शांति एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई एवं उनकी समस्याओं को सुना गया व समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये।

इसके उपरांत महोदय द्वारा थाना जहांगीराबाद की कस्बा चौकी का निरीक्षण किया गया एवं चौकी प्रभारी को अभिलेखों को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखने, प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने तथा आमजन के साथ सौम्य एवं संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने, सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखने तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक थाना जहांगीराबाद सुदेश कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

मैं अकरम खॉन पुत्र बसीर अहमद निवासी 86 नगला तंदुला थाना हाथरस गेट

हाथरस(वेलकम इंडिया)। जिला हाथरस यह घोषित करता हूँ कि मेरा पुत्र जीशान खॉ जो कि निवासी नगला टुंडला पर रह रहा है जो कि मेरे कहने व मेरी इच्छा के विरूद्ध कार्य कर रहा है वह गलत सौहवत में पड गया है जो कि कभी कोई घटना कर सकता है खतरनाक किस्म का नशा करता है और मेरे व मेरे परिवार के साथ असहयोग व सम्मान नही कर रहा है। आज के बाद कोई रिश्ता मेरे कहे अनुसार मेरे पुत्र जीशान के साथ नही होगा। अत: मैं अपने पुत्र जीशांन को अपनी स्वअर्जित चल/अचल सम्पत्ति जो कि मकान दुकान खेत पैसा घरेलू सामान पता नगला टुंडला थाना हा0 गेट जिला–हाथरस पर स्थित है उसे बेदखल करता हूँ आज के बाद जीशांन का उक्त सम्पत्ति / जायदाद में कोई अधिकार या हिस्सा नही होगा और हिस्से का लेना–देना नही होगा कतई कोई व्यक्ति संस्था या बैंक इनके साथ मेरी सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई लेन–देन करता है तो वह अपने जोखिम पर होगा और उसके लिए मैं या मेरी सम्पत्ति उत्तरदायी नही होगी।

बुद्ध पूर्णिमा पर यज्ञ कर की आराधना

स्याना/बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर स्याना क्षेत्र में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्याम भोज मंदिर पर हवन यज्ञ कर आराधना की गई। अन्य पूजा स्थलों पर भी इसी तरह से पूजा–पाठ कार्यक्रम हुए। पवेंद्र सिंह, इकबाल सिंह पुजारी बनारसी बाबा, चमन सिंह, विनोद दाहिया, ललित त्रिवेदी, अभय त्रिवेदी, इंदू रानी, सुधा रानी, ममता रानी, रेखा रानी, कुसुम रानी, कुमकुम रानी, प्रभा रानी, मीनू रानी, इंदु रानी व अंजू शर्मा आदि ने कार्यक्रमों में भाग लिया।

गौतम बुद्ध का 2570 वे जन्मदिवस पर विचार गोष्ठी एवं बुद्ध वंदना कार्यक्रम का आयोजन किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। शुक्रवार को डॉ अंबेडकर जन्मोत्सव समिति यमुना पुरम के तत्वाधान में तथागत गौतम बुद्ध का 2570 वे जन्मदिवस पर विचार गोष्ठी एवं बुद्ध वंदना कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका विधिवत शुभारंभ बुद्ध वंदना से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्मवीर सिंह अशोक पूर्व विधायक मुंशीलाल गौतम उद्योगपति आर के सिंह तथा भारतीय बौद्ध महासभा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मानसिंह गौतम शिक्षक नेता वेद प्रकाश गौतम के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया, सभी से तथागत गौतम बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित कर बुद्ध के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया, पूर्व मंत्री धर्मवीर सिंह अशोक ने कहा कि हम सभी को बुद्ध के बताए गए रास्ते पर नहीं चलेंगे तब तक समाज का कोई भी भला नहीं हो सकता है। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष मानसिंह गौतम ने पूरी बुद्ध कथा पर विस्तार से चर्चा की, इस अवसर पर सभी के लिए स्वादिष्ट भोजन का वितरण किया गया। शिक्षक नेता वेद प्रकाश गौतम ने कहा कि जब तक तथागत गौतम बुद्ध एवं बाबा साहेब के सिद्धांतों एवं संस्कारों को अपने घर तक नहीं ले जाएंगे तब तक समाज में परिवर्तन नहीं होगा इस अवसर पर डॉ अंबेडकर जन्मोत्सव समिति यमुनापुरम की समस्त टीम सर्वश्री ज्ञानेंद्र कुमार, दिनेश भारती, वीरेंद्र कुमार, विवेक कुमार, गजेंद्र पाल सिंह, गजेंद्र सिंह,लोकेश कुमार, रॉबिन सिंह, बिन्नामी सिंह बौद्ध, नरेशकुमार, अजय पाल सिंह, विजय कुमार, रविंद्र कुमार, देवेंद्र कुमार, झम्मन सिंह, देव पाल सिंह, कुसुमलता गौतम, मिथलेश, कांता भारती, पदम सिंह, राहुल सिंह एडवोकेट, बबलू गौतम, सुनील पिप्पल, नाहर सिंह, वीरेंद्र सिंह,अर्जुन सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

मेरठ दहेज रहित अंतजार्तीय विवाह बना सामाजिक समरसता का संदेश

उज्जवल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। मेरठ में बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर शुक्रवार को हिन्द मजदूर किसान समिति के तत्वावधान में दहेज रहित एवं अंतजार्तीय विवाह संपन्न हुआ। विवाह सामाजिक समानता, आपसी भाईचारे और कुरीतियों के खिलाफ एक प्रेरणादायक पहल के रूप में सामने आया।

समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश ने बताया कि समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष क्रान्तिगुरु श्री चन्द्रमोहन की प्रेरणा से समाज में दहेज प्रथा, जातिगत भेदभाव और नशाखोरी जैसी बुराइयों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समिति के प्रयासों से पहले भी कई दहेज रहित और अंतजार्तीय विवाह संपन्न हो चुके हैं। कार्यक्रम में विकास कुमार, बबली, अशोक, ईश्वर, आदेश, योगेन्द्र और अमित सहित कई लोगों का सहयोग रहा। यह आयोजन समाज में समरसता और सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उपजा बुलंदशहर की जिला कार्यकारिणी बैठक संपन्न, नए जिलाध्यक्ष के नाम पर मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन (उपजा) बुलंदशहर की जिला कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में संगठन के विस्तार, मजबूती तथा पत्रकारों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला संरक्षक एवं पूर्व जिलाध्यक्ष माधव शर्मा तथा संचालन पूर्व वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अरुण चौधरी ने किया। जिला संरक्षण ने संबोधन में माधव शर्मा ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए उसके विस्तार पर जोर देते हुए सभी सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व जिला महामंत्री दीपक शर्मा ने नई कार्यकारिणी के शीघ्र गठन की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे संगठन को नई दिशा और गति मिलेगी। साथ ही उन्होंने जिलाध्यक्ष पद की नियुक्ति को प्राथमिकता देने की बात भी कही। पूर्व जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार और महबूब अली ने संगठनात्मक गतिविधियों को नियमित बनाए रखने के लिए मासिक बैठक आयोजित करने पर बल दिया। वहीं पूर्व जिला मीडिया प्रभारी जेपी गुप्ता ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के हितों की रक्षा करना होना चाहिए। पूर्व जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर लोधी एवं सह कोषाध्यक्ष के. प्रसाद ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है, जो चिंता का विषय है।

पूर्व जिला उपाध्यक्ष सर्वेश राणा और मोहित कौशिक ने पत्रकारों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती से ही समस्याओं का समाधान संभव है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरुण चौधरी ने भी संगठन द्वारा पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा करने और हर आवाज को मजबूती से उठाने का भरोसा दिलाया। बैठक के अंत में नए जिलाध्यक्ष के नाम को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तावित नाम को अंतिम निर्णय के लिए प्रदेश नेतृत्व को भेज दिया गया है। बैठक का समापन संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

मेरठ के एसपी सिटी ने मासूम बच्चियों को दुलारा और पूछा फ्रूट जूस अच्छा लगता है क्या

उज्जवल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। मेरठ के नए एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले का एक नया वीडियो सामने आया है यह वीडियो शुक्रवार 1 मई का है जो लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के मजीद नगर का है एसपी सिटी यहां महिला कौशर की गला रेत कर हत्या के मामले में जांच के लिए पहुंचे थे इसी दौरान उन्होंने मृतक कौशर की दोनों मासूम छोटी बच्चियों को दिखा एसपी सिटी ने जैसे ही दोनों बच्चियों को देखा तो वह उनके साथ ही बैठ गए अपनी मां को खो चुकी इन बच्चियों को एसपी सिटी ने दुलारा उनके सिर पर हाथ भी फेरा इस दौरान उन्होंने दोनों बच्चियों से बेहद प्यार के साथ बातचीत की एसपी सिटी ने दोनों बच्चियों के सिर पर हाथ फेरते हुए उनसे पूछा क्या अच्छा लगता है स्कूल में पढ़ना अच्छा लगता है स्कूल में क्या अच्छा लगता है बच्चियों ने कहा कि पढ़ना उन्होंने पूछा कि पढ़ना है बच्चों बोली हां पूछा कि तुम्हारे चेहरे पर क्या हो रहा है बच्ची ने कहा कि मस्सा फिर कहा कि मीठा ज्यादा खाती होगी इसलिए घमोरियां हो गई है इतनी सारी दोबारा पूछा कि जूस अच्छा लगता है फलों का जूस पीती हो बच्चियों ने कहा कि हां तो एसपी सिटी ने कहा कि मैं अंकल को कहूंगा कि तुमको जूस दिलाए आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही मेरठ में नए एसपी सिटी विनायक गोपाल हौसले ने चार्ज संभाला है चार्ज संभालने के बाद भी सेंट्रल मार्केट में धरना रत महिलाओं के बीच पहुंचे यहां व्यापारियों के घरों की महिलाएं लगातार धरना दे रही थी एसपी सिटी ने महिलाओं के बीच जाकर उन्हें समझाया और धैर्य बंधाया साथ ही उन्होंने कहा कि मेरा नाम विनायक है मैं विनायक हूं।

रसिक त्रिवेणी से जुड़ी हुई थीं निकुंज वासिनी श्रीमती कमला देवी नागार्च

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी

वृन्दावन(वेलकम इंडिया)। गुरुकुल रोड स्थित गणेशी लाल अग्रवाल अतिथि भवन (दाऊजी की बगीची) में हित उत्सव चैरिटेबल ट्रस्ट एवं श्रीहित परमानंद शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें प्रियावल्लभ कुंज के अध्यक्ष आचार्य विष्णु मोहन नागार्च की माताजी श्रीमती कमला देवी नागार्च के आकस्मिक निकुंज गमन पर शोक व्यक्त किया गया।साथ ही प्रमुख संतों, विद्वानों, धमार्चार्यों, समाजसेवियों व राजनेताओं के द्वारा उनके चित्रपट के समक्ष पुष्प चढ़ा कर अपनी श्रद्धांजलि व भावांजलि अर्पित की गई। सभा में परम-हितधर्मी डॉ. चन्द्र प्रकाश शर्मा ने कहा कि निकुंज वासिनी श्रीमती कमला देवी नागार्च रसिक त्रिवेणी से जुड़ी हुई थीं। श्रीधाम वृन्दावन की प्राचीन हरित्रयी उपासनाओं से उनका गहरा संबंध था। श्रीहरिराम व्यासजी महाराज के वंश में उनका जन्म हुआ। 18 वीं शताब्दी के प्रख्यात सन्त एवं वाणीकार श्रीहित परमानंद महाराज (प्राचीन श्रीराधा वल्लभीय परिवार) के वंश में उनका विवाह हुआ और उनके पूज्य परदादा ससुर संत शीतल दास महाराज टटिया स्थान (श्रीहरिदासी परम्परा) के आचार्य गद्दी के महंत थे।जिन्होंने 'आनन्द चमन' और 'गुलजार चमन' नामक ग्रंथों की रचना की थी। श्रद्धांजलि सभा में उत्तर प्रदेश व्यापार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री रविकांत गर्ग, मथुरा-वृन्दावन नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल, उप-सभापति मुकेश सारस्वत, ब्रजेन्द्र वल्लभ गोस्वामी, प्रख्यात भागवत प्रवक्ता आचार्य मृदुलकांत शास्त्री, डॉ. जयेश खंडेलवाल (हितजस अलि), डॉ. राजेश शर्मा, पार्षद पण्डित राधाकृष्ण पाठक, पार्षद वैभव अग्रवाल, छैलबिहारी खंडेलवाल, हरिवंश खंडेलवाल, अतुल श्रीवास्तव, डॉ. राधाकांत शर्मा, आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राष्ट्र की शक्ति श्रमिकों का करें सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना/बुलंदशहर। मजदूर दिवस 1 मई पर गोष्ठी आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। मजदूर उत्थान समिति के अध्यक्ष घनश्यामदास गौतम, हिंद जन सेवा समिति अध्यक्ष ललित त्रिवेदी, उन्नति महिला सेवा संस्थान अध्यक्षा श्रीमती रीता आर्य, भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) वरिष्ठ उपाध्यक्ष चौधरी मांगेराम त्यागी, डॉ बी आर अंबेडकर जन्मोत्सव समिति अध्यक्ष आशीष कुमार पत्रकार, श्रमिकों के हितों की आवाज बुलंद करने वाले प्रमुख समाजसेवी नगरपालिका परिषद अध्यक्ष चौधरी ऋषिपाल सिंह, बसपा नेता डॉ रईस मलिक, समाजवादी पार्टी नेता/पूर्व राज्यमंत्री राकेश त्यागी, कांग्रेसी नेता साजिद चौधरी, भारतीय जनता पार्टी नेता नरेश लोधी तथा पूर्व सभासद बिजेंद्र कुमार बंटी ने मजदूरों के उत्थान के लिए कार्य करते रहने का संकल्प लिया। डोर टू डोर जाकर श्रम कर रहे श्रमिकों का सम्मान किया गया तथा उनके सामने नतमस्तक होकर उन्हें प्रणाम किया। हिंद जन सेवा समिति अध्यक्ष ललित त्रिवेदी ने कहा कि किसी भी देश का विकास, उत्पादन और बुनियादी ढांचा देश के मेहनतकश मजदूरों की मेहनत पर निर्भर करता है। श्रमिकों को अलग नहीं, बल्कि अपना समझें तथा उनका सम्मान करें, ताकि उनके मनोबल में वृद्धि हो सके। कहा कि श्रमिक वर्ग सम्मान का पात्र है, इन्हें सर्व अवसर प्रदान करें।

स्मार्ट मीटर के विरोध में भारतीय किसान यूनियन आजाद का मेरठ के ऊर्जा भवन पर हल्लाबोल

उज्जवल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। मेरठ में स्मार्ट प्रीपेड मीटर का अब किसान संगठओ ने भी खुलकर विरोध शुरू कर दिया है शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन आजाद के बैनर तले दर्जनों किसान ऊर्जा भवन पहुंचे और पंचायत की पंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगर स्मार्ट प्रीपेड मीटर की मनमानी नहीं थमी तो किसान घरों पर लगे स्मार्ट मीटर उखाड़ कर विभाग को सौंप देंगे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन बालियान के नेतृत्व में भारी संख्या में किसान ऊर्जा भवन पहुंचे और धरने पर बैठ गए इतनी संख्या में किसानों को देखकर वहां मौजूद कर्मचारियों में खलबली मच गई उच्च अधिकारियों को सूचित किया गया इसके कुछ देर बाद सिविल लाइंस थाने की पुलिस भी पहुंच गई इसके बाद किसानों ने पंचायत शुरू कर दी नितिन बालियान ने कहा कि जब से गांव में स्मार्ट मीटर लगने शुरू हुए हैं तब से आर्थिक शोषण झेलने के लिए किसान मजबूर हो गया है उन्होंने कहा कि जबरन स्मार्ट मीटर थोपे जा रहे हैं रिचार्ज खत्म होते ही किसान की बिजली गुल हो जाती है उन्होंने कहा कि जब किसान और मजदूर को मिलने वाला भुगतान डिजिटल नहीं हुआ है तो इन डिजिटल मीटर का क्या मतलब है युवा नेता अक्षय रावत ने कहा कि स्मार्ट मीटर देश को डिजिटल गुलाम बनाने की एक बहुत बड़ी साजिश है जिसे हर किसी को विरोध करना होगा लोकतंत्र की इस व्यवस्था को लोकतंत्र में बदलने का प्रयास हो रहा है हर कोई यह समझ ले कि इसके द्वारा घर में घुसने की साजिश रचित जा रही है अवकाश के बावजूद काफी संख्या में किस ऊर्जा भवन पहुंचे इसकी सूचना जैसे ही विद्युत विभाग के अफसर को मिली उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी कुछ ही देर में सिविल लाइंस थाने की पुलिस भी पहुंच गई पुलिस ने किसानों से बात की तो वह ज्ञापन देने की बात पर आ गए इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट नवीन कुमार मौके पर पहुंचे और ज्ञापन लिया किसानों ने सिटी मजिस्ट्रेट नवीन कुमार को तीन सूत्रीय मांग पत्र विश्व पर जिसमें प्रीपेड मीटर की और संवैधानिक अनिवार्यता को समाप्त करने उपभोक्ता के अधिकारों का संरक्षण और कृषि क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को मजबूत किए जाने की मांग उठाई गई।

आरकेजीआईटी में एमबीए विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद स्थित राज कुमार गोयल प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा 1 मई 2026 को एमबीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्साह, उमंग और भावनात्मक माहौल के बीच संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों के शैक्षणिक सफर और उपलब्धियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य तथा एमबीए विभाग के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह स्थल को आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव का रंग दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, मनोरंजक खेलों तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह का शुभारंभ स्वागत भाषण के साथ हुआ।

एमबीए विभागाध्यक्ष डॉ. विभूति त्यागी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें जीवन में निरंतर सीखने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और व्यावसायिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान, निदेशक डॉ. बी. सी. शर्मा, डीन अकादमिक डॉ. आर. के. यादव तथा डीन-स्टूडेंट वेलफेयर श्री एच. जी. गर्ग विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सभी गणमान्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को जीवन के अगले चरण के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विभिन्न उपाधियों का वितरण रहा, जिसमें विद्यार्थियों को उनकी विशेषताओं और व्यक्तित्व के आधार पर सम्मानित किया गया। विदाई ले रहे विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए संस्थान, शिक्षकों और साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह विदाई समारोह विद्यार्थियों के लिए भावुक और यादगार पल लेकर आया, जहां उन्होंने अपने मित्रों और शिक्षकों के साथ बिताए गए समय को याद किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक फोटोग्राफी, अल्पाहार तथा विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

निवाड़ी के रविंद्र त्यागी बने बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कस्बा निवाड़ी क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण उस समय आया जब समाजसेवी सत्येंद्र त्यागी के बड़े भाई एवं कृष्णा ग्रुप ऑफ कंपनीज के सीएमडी रविंद्र त्यागी को बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। यह चुनाव हैदराबाद में आयोजित मतदान प्रक्रिया के माध्यम से संपन्न हुआ, जिसमें उन्हें यह महत्वपूर्ण और सर्वोच्च दायित्व सौंपा गया। रविंद्र त्यागी की यह उपलब्धि उनके अथक परिश्रम, दूरदर्शी नेतृत्व और वर्षों के अनुभव का परिणाम मानी जा रही है। उनका यह चयन न केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि पूरे निर्माण क्षेत्र, समाज और देशभर के बिल्डर समुदाय के लिए गर्व का विषय है। इतनी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्था के शीर्ष पद पर पहुंचना निवाड़ी क्षेत्र के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है। उनकी इस सफलता से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र का गौरव बताते हुए हर्ष व्यक्त किया। बधाई देने वालों में समाजसेवी सत्येंद्र त्यागी, नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी, कोऑपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष प्रवीण त्यागी, वाइस प्रेसिडेंट बोनी त्यागी, हरिओम त्यागी (सैतली), रोहित त्यागी (मेहम्दपुर), आकाश त्यागी (रावली), हैप्पी त्यागी (खिदौड़ा), पप्पू त्यागी (बांदीपुर), अमरीश त्यागी (बांदीपुर), गौरव त्यागी (खुर्रमपुर), मनोज त्यागी (सौंदा), आशीष गोयल (निवाड़ी), अमित पैगा, कपिल बॉस, सुबोध त्यागी और ताहिर खान सहित अनेक लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

श्री 108 विरागसागर जी महामुनिराज का 64 वां अवतरण महोत्सव 2 मई को

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सकल दिगम्बर जैन समाज मोदीनगर द्वारा प.पू. राष्ट्रसंत, शुद्धोपयोगी संत सूरिगच्छाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महामुनिराज का 64 वाँ अवतरण महोत्सव शनिवार, 2 मई को प.पू. जिनागम पंथ प्रवर्तक, आदर्श महाकवि भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मनाया जाएगा। श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मोदीनगर में आचार्य संघ की पावन सानिध्य मे प्रातः काल जिनाभिषेक उपरान्त विधिवत जन्म महोत्सव की सभा प्रारंभ की जायेगी।

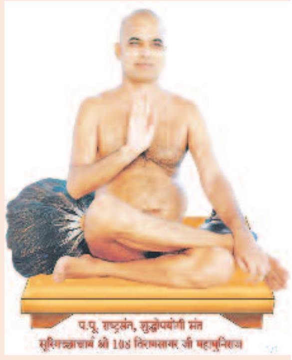

प.पू. राष्ट्रसंत, शुद्धोपयोगी संत सूरिगच्छाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महामुनिराज

सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण, पाद-प्रक्षालन, शास्त्रभेंट, गुरुपूजन एवं विनयांजलि के माध्यम से गुरु-महिमा का गुणगान किया जाएगा। संध्याबेला में 64 दीप थालों से गुरुवर की महाआरती की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा डी.पी.टी. एवं टी.डी. बूस्टर टीकाकरण सफलतापूर्वक संपन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में स्वास्थ्य विभाग के निर्देशन एवं सहयोग से कक्षा 1, 5 एवं 10 के विद्यार्थियों का डी.पी.टी. एवं टी.डी.बूस्टर टीकाकरण सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। यह टीकाकरण कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करना था। विद्यालय प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी, गौरव

माहेश्वरी तथा निर्देशिका श्रीमती राधिका माहेश्वरी जी स्वास्थ्य विभाग सरकार एवं मुख्यमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जो समय-समय पर विद्यालय को आवश्यक दवाइयां, टीके एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराते रहते हैं। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के प्रति उनकी जागरूकता एवं संवेदनशीलता वास्तव में प्रशंसनीय है, जिसके लिए विद्यालय परिवार उनका हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राप्त पत्र के अनुसार निर्धारित आयु वर्ग के विद्यार्थियों को विद्यालय परिसर में ही सुव्यवस्थित रूप से टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पूर्ण तत्परता एवं सावधानी के साथ टीकाकरण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। इस टीकाकरण अभियान में स्वास्थ्य विभाग की टीम का विशेष एवं सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए उनके उत्कृष्ट सहयोग की सराहना की। साथ ही, उन्होंने अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार के सहयोग हेतु भी धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके सहयोग से यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।

मजदूर दिवस पर मजदूर नेता जयप्रकाश को दी श्रद्धांजलि

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मजदूर दिवस के अवसर पर लोगों ने मजदूर नेता जयप्रकाश को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मोदी पोन फैक्ट्री के गेट पर स्थापित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया और उनके योगदान को नमन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने मजदूर नेता जयप्रकाश के जीवन और उनके संघर्षों को याद करते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन मजदूरों के हितों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने मजदूर वर्ग के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ी और हमेशा उनके सुख–दुख में साथ खड़े रहे। वक्ताओं ने कहा कि जयप्रकाश का मजदूरों के प्रति स्नेह, लगाव और समर्पण आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी विचारधारा और संघर्षों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर मजदूर नेता कुलदीप सैनी, योगेश महाकाल, राजवीर शर्मा, हिंदू समाज पार्टी के अनिल जैन, मनोज जैन, युवराज डोडी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मजदूर दिवस पर कदराबाद में टीबी जांच शिविर आयोजित, सैकड़ों श्रमिकों की हुई स्क्रीनिंग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कदराबाद स्थित विपिन काला नमक फैक्ट्री परिसर में मजदूर दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय छह रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान गाजियाबाद के सरकारी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर फैक्ट्री में कार्यरत मजदूरों की टीबी स्क्रीनिंग कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति का परीक्षण किया।

शिविर का उद्देश्य श्रमिकों के बीच क्षय रोग (टीबी) के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय रहते रोग की पहचान कर उचित उपचार सुनिश्चित करना रहा। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मजदूरों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री सतीश अग्रवाल, भारतीय किसान यूनियन के नगर अध्यक्ष पवन चौधरी, लालाराम बापू, नितिन चौधरी, रूपचंद चौधरी, कमल अग्रवाल, जयप्रकाश, एक आवाज ट्रस्ट की अध्यक्ष सुमन चौधरी और आदित्य अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर श्रमिकों के लिए बेहद आवश्यक हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक देव राणा, टीबी हेल्थ विजिटर राकेश कुमार, एक्स-रे टेक्नीशियन आलोक कुमार तथा सीएससी मोदीनगर की टीम ने संयुक्त रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में आयोजकों ने स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की बात कही, ताकि श्रमिकों का स्वास्थ्य बेहतर बना रहे।

डॉ अनन्या भारद्वाज भारद्वाज बनी एमबीबीएस डॉक्टर, क्षेत्र के लोगों ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

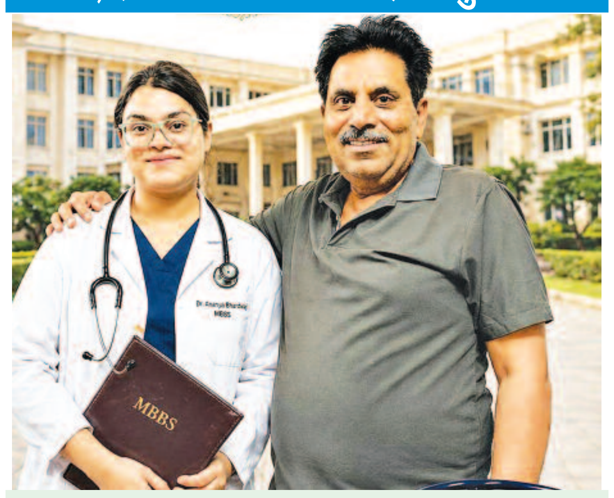

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री शिव मोहन भारद्वाज की भतीजी डॉक्टर अनन्या भारद्वाज को 5 साल की कठिन परिश्रम से पढ़ाई करने के उपरांत एम बी बी एस की डिग्री प्राप्त हुई। डॉक्टर अनन्या भारद्वाज द्वारा एम बी बी एस की डिग्री प्राप्त करने पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।

इसके अलावा ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि डॉक्टर अनन्या भारद्वाज को समस्त भारद्वाज परिवार की तरफ से बहुत-बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं समस्त ब्राह्मण समाज आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गांव गदाना में डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा समिति के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़े धूमधाम और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'दूर धाम' स्थल पर किया गया, जहां क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद उपस्थित लोगों ने गुरु के महत्व पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है और गुरु ही व्यक्ति को सही मार्ग दिखाकर जीवन को सफल बनाते हैं।

गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें अपने गुरुओं के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और समर्पण का भाव प्रकट करने का अवसर देता है। इस अवसर पर दीपेंद्र कुमार, अरुण कुमार गौतम, एडवोकेट सुनील कुमार, कमराज, सतपाल गौतम, चरण दास वर्मा, कविंद्र कुमार, प्रदीप फौजी, अखिलेश (मास्टर जी), मंजू, अंजना, शकुंतला और गीता सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

कार्यक्रम के अंत में समिति के सदस्यों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और समाज में शिक्षा व संस्कारों को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

बाइक सवार स्नैचरों पर पुलिस का शिकंजा: लूटी गई चैन समेत दो गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना कविनगर पुलिस ने चेन स्नैचिंग की वारदात का खुलासा करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चैन के दो टुकड़े (पीली धातु), दो मोबाइल फोन, नगदी और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। 14 अप्रैल 2026 को गोविंदपुरम निवासी वादिया नीशू ने थाना कविनगर में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उनके गले से सोने की चैन झपट ली। घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर 1 मई 2026 को गोविंदपुरम चौकी क्षेत्र स्थित वाटर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट चौराहे के पास से दोनों आरोपियों को दबोच लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान हैप्पी (25 वर्ष) पुत्र देशराज निवासी फिरोजाबाद तथा देवेश (20 वर्ष) पुत्र मुनेश निवासी हाथरस के रूप में हुई है, जो वर्तमान में मिसलगढ़ी, मसूरी (गाजियाबाद) में रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों अभियुक्त क्षेत्र में स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देते थे। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है और अन्य वारदातों में उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

बुद्ध पूर्णिमा पर नवयुग मार्केट में निकली भव्य शोभायात्रा, फूल वर्षा और सेवा भाव से हुआ जोरदार स्वागत

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर जन्मोत्सव समिति, नवयुग मार्केट गाजियाबाद के सानिध्य में एक भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए, जिन्होंने पूरे जोश और उमंग के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

शोभायात्रा जब बजरिया जूता मार्केट पहुंची, तो वहां का दृश्य अत्यंत मनोहारी हो गया। अध्यक्ष तरुण कुमार भाई सहित समिति के सभी पदाधिकारियों, गणमान्य व्यक्तियों, भाइयों एवं वरिष्ठजनों का फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

चारों ओर पुष्पों की खुशबू और जयकारों की गूंज से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। इस दौरान आयोजन समिति द्वारा सेवा भाव का परिचय देते हुए सभी श्रद्धालुओं एवं उपस्थित जनसमूह के लिए शर्बत वितरण की व्यवस्था भी की गई। गर्मी के बीच यह सेवा लोगों के लिए राहत का माध्यम बनी और समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को और मजबूत करने का कार्य किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि बुद्ध पूर्णिमा जैसे पावन पर्व हमें शांति, करुणा, अहिंसा और भाईचारे का संदेश देते हैं। इस प्रकार की शोभायात्राएं न केवल धार्मिक आस्था को प्रकट करती हैं, बल्कि समाज में एकता, समरसता और आपसी सहयोग को भी बढ़ावा देती हैं।

पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, सुरक्षा एवं व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह भव्य आयोजन क्षेत्र में सामाजिक सद्भाव और एकजुटता का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया।

'शादी-बैंक्वेट बने ट्रैफिक जाम का कारण तो होगी सख्त कार्रवाई'

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शहर में बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में शुक्रवार को पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में बैंक्वेट हॉल व होटल संचालकों के साथ एक अहम गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) ने की।

गोष्ठी में यातायात विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित करीब 90 बैंक्वेट हॉल और होटल प्रबंधकों ने भाग लिया। इस दौरान विवाह समारोह व बड़े आयोजनों के चलते होने वाले ट्रैफिक जाम को रोकने के लिए ठोस रणनीति पर चर्चा की गई। पुलिस ने निर्देश दिए कि किसी भी बड़े आयोजन की सूचना कम से कम दो दिन पहले देना अनिवार्य होगा। साथ ही आयोजनों के दौरान निजी मार्शल तैनात करने, पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था करने और सड़कों पर किसी भी तरह का अतिक्रमण न करने को कहा गया।

सीसीटीवी कैमरों को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए। सभी कैमरे चालू हालत में हों, उनका एंगल सही हो और उनमें सही समय व तारीख दर्ज हो, यह सुनिश्चित करने को कहा गया।

इसके अलावा सड़कों पर घुड़चढ़ी जैसे आयोजनों पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए, ताकि आम जनता को जाम और असुविधा से बचाया जा सके। पुलिस अधिकारियों ने साफ किया कि यदि नियमों का उल्लंघन हुआ तो संबंधित संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी से जनहित में सहयोग करने की अपील की गई, जिससे शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 62 जोड़ों का विवाह सम्पन्न

गाजियाबाद के 14 जोड़े, बुलन्दशहर के 24 जोड़े एवं हापुड़ के 24 जोड़े

● हिन्दू कन्याओं की शादी पंडित तथा मुस्लिम कन्याओं की शादी काजी द्वारा पूर्ण विधि विधान से कराई सम्पन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद। उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की पुत्रियों की शादी "सामूहिक विवाह" कार्यक्रम में स्थान-रामलील ग्राउन्ड कविनगर गाजियाबाद में सकुशल सम्पन्न कराई गई। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जनपद गाजियाबाद के 14 जोड़े, बुलन्दशहर के 24 जोड़े एवं हापुड़ के 24 जोड़े कुल 62 जोड़े उपस्थिति हुए। सामूहिक विवाह में 27 जोड़े हिन्दू तथा 35 मुस्लिम जोड़े उपस्थित हुए। कार्यक्रम में वर-वधू के लिये फलो की टोकरी एवं लड्डू की टोकरी तथा वर-वधू के पक्ष के सभी उपस्थित व्यक्तियों के लिये नाश्ते व भोजन की उचित व्यवस्था तथा संस्कृतिक कार्यक्रम की व्यवस्था श्रम विभाग द्वारा करायी गयी। हिन्दू कन्याओं की शादी पंडित द्वारा तथा मुश्लिम कन्याओं की शादी काजी द्वारा पूर्ण विधि विधान से सम्पन्न करायी गयी। उक्त कार्यक्रम में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेन्द्र कश्यप जी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद, अनुराग मिश्र, उप श्रमायुक्त, गाजियाबाद, कृष्ण अवतार, सहायक श्रमायुक्त गाजियाबाद एवं गाजियबाद क्षेत्र के श्रम प्रवर्तन अधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियो द्वारा वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ मंच पर उपस्थित गणमान व्यक्तियो द्वारा दीप प्रज्वलित से किया गया। उक्त के उपरान्त उप श्रमायुक्त अनुराग मिश्रा द्वारा उपस्थित अतिथियो का स्वागत करते हुये अपने उदबोधन में सामूहिक विवाह आयोजन की उपयोगिता उसके सामाजिक उद्देश्य तथा श्रम विभाग द्वारा श्रमिको के लिये चलायी जा रही अन्य योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि मा० नरेन्द्र कश्यप जी, ने श्रम विभाग द्वारा श्रमिको के कल्याण हेतु चलायी जा रही विभिन्न हितकारी योजनाओ की विस्तृत जानकारी दी गयी है साथ ही सामूहिक विवाह योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये कहा की सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 1 लाख रुपए मिलते हैं जिसमें से 15 हजार रुपए कार्यक्रम के आयोजन में खर्च होते हैं और शेष कुल 85000 / रू० प्रति लाभार्थी दिये जाते हैं, जो श्रमिक के सीधे खाते में ट्रान्सफर किया जाता है। श्रम विभाग द्वारा चलाई जा रही इस योजना से श्रमिकों के चेहरे खिले हुए हैं।

कहासुनी से भड़की हिंसा: केला भट्टा में पथराव, कई घायल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना कोतवाली क्षेत्र के केला भट्टा इलाके में शुक्रवार को एक मामूली विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी देखते ही देखते पथराव में बदल गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अखबार के अनुसार, पथराव के दौरान मौके पर मौजूद राहगीर भी इसकी चपेट में आ गए, जिससे कई लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और हालात को काबू में करने में जुट गई।

घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में करीब 10 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पूरे मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला कारागार गाजियाबाद में आध्यात्मिक पहल: नवग्रह वाटिका, गांधी गैलरी व संगीत गैलरी का भव्य उद्घाटन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिला कारागार गाजियाबाद में बंदियों के मानसिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए नवनिर्मित नवग्रह वाटिका, गांधी गैलरी एवं संगीत गैलरी का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव कारागार अनिल गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति में जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज ने फीता काटकर इन सुविधाओं का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में घृणा, क्रोध और दुर्विचार का त्याग कर आध्यात्मिक चेतना को अपनाना ही सच्चे परिवर्तन का मार्ग है। उन्होंने कहा कि नवग्रह वाटिका की स्थापना का उद्देश्य बंदियों के मन में शांति, सद्भाव, दया और प्रेम जैसे सकारात्मक भावों का संचार करना है। गांधी गैलरी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन मूल्यों और दर्शन से संबंधित पुस्तकों का संग्रह, जेल में निर्मित चरखा एवं विभिन्न पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। यह गैलरी बंदियों में आपसी प्रेम, त्याग और अहिंसा की भावना को विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी।

महिला आरक्षण बिल पर सियासत गरम, गाजियाबाद में भाजपा महिला मोर्चा का जोरदार पैदल मार्च

रेनू शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं का प्रदर्शन, सपा-कांग्रेस पर 'महिला विरोधी' होने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पारित न होने को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। इसी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने गाजियाबाद के शहर मंडल में जोरदार पैदल मार्च निकालकर अपना आक्रोश जताया। भाजपा नेत्री रेनू शर्मा के नेतृत्व में निकाले गए इस मार्च में बड़ी संख्या में महिलाओं और पार्टी कार्यकताओं ने भाग लिया।

हाथों में तख्तियां और नारे लगाते हुए कार्यकताओं ने महिला आरक्षण की मांग को जोर-शोर से उठाया। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें 'महिला विरोधी' करार दिया। उनका कहना था कि इन दलों के विरोध के चलते ही महिला आरक्षण बिल को पारित नहीं किया जा सका, जो महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय है।

मार्च के दौरान कार्यकताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों का समर्थन करते हुए कहा कि महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देना समय की जरूरत है। उन्होंने मांग की कि महिला आरक्षण बिल को जल्द से जल्द पारित कर महिलाओं को उनका हक दिया जाए। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने एकजुटता दिखाते हुए कहा कि वे अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगी और इस मुद्दे को लेकर आगे भी आंदोलन तेज किया जाएगा। इस प्रदर्शन में पार्षद शीतल चौधरी, शिरोमणि त्यागी, नीलम, अपर्णा, रुचि, शशि, सोनिया, मीनाक्षी, छाया, सोनिका, मीना, विनीता पाल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विजयनगर थाने के निर्माण कार्य का डीसीपी ने लिया जायजा, गुणवत्ता और समयबद्धता पर सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस विभाग की आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में चल रहे प्रयासों के तहत पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिण्डन/मुख्यालय धवल जायसवाल ने थाना विजयनगर में निमार्णाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का विस्तृत अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने और तय समयसीमा में निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए। डीसीपी ने अधिकारियों व कर्मचारियों को चेताया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निर्माण कार्य में मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि बेहतर सुविधाओं से लैस थाना भवन से पुलिस कार्यप्रणाली में सुधार होगा और आम जनता को भी बेहतर सेवाएं मिलेंगी। पुलिस विभाग द्वारा निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत हो सके।

यातायात पुलिस की तत्परता: मौके पर पहुंचकर घायल को पहुंचाया अस्पताल

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। डासना क्षेत्र स्थित रेड वेलवेट होटल के सामने शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी चालक के सिर में गंभीर चोट आई और वह मौके पर ही गिरकर घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही यातायात पुलिस की इंटरसेप्टर टीम तत्काल मौके पर पहुंची। ळरकमोहन सिंह ने अपनी टीम के साथ बिना देर किए घायल को उठाकर नजदीकी शिवालिक हॉस्पिटल, डासना पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुए उसे रेफर कर दिया। इसके बाद पुलिस टीम ने तेजी दिखाते हुए घायल को सर्वोदय हॉस्पिटल, थाना कविनगर क्षेत्र में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल की पहचान छतर सिंह पुत्र ताराचंद, निवासी विहारी पुरा, थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक, गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा तुरंत परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई, जिसके बाद घायल का पुत्र गौरव मौके पर पहुंच गया। यातायात पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय पहल से घायल को समय पर उपचार मिल सका, जिससे उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई गई।

गाजियाबाद में विकास की नई पहल: 8.20 करोड़ की सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शहर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए 8 करोड़ 20 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर मुरादनगर के माननीय विधायक अजीत पाल त्यागी जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने विकास कार्यों की शुरूआत कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत वार्ड संख्या 47, 18, 50, 16 एवं 46 में सड़कों के निर्माण, मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जाएगा। लंबे समय से खराब सड़कों की समस्या से जूझ रहे लोगों को इन परियोजनाओं से राहत मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम के दौरान विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है और जनता को बेहतर सुविधाएं देना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और तय समय सीमा में कार्य पूर्ण किया जाए।

स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सड़कों के बेहतर होने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस विकास कार्य के लिए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

श्रीराम रिंग्स एंड पिस्टन में देखा गया लखनऊ में आयोजित 'श्रमवीर गौरव समारोह 2026' का लाईव प्रसारण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया 'डिजिटल लेबर चौक ऐप' का शुभारंभ, नया वेतन बोर्ड पर भी हुई चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। 1 मई 2026 को 'अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस' के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'श्रमवीर गौरव समारोह 2026' में शिरकत की। इसी क्रम में जनपद गाजियाबाद के मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र में श्रीराम रिंग्स एंड पिस्टन में रविंद्र कुमार माँदड जिलाधिकारी, अभिनव गोपाल मुख्य विकास अधिकारी, अनुराग मिश्र उपश्रमायुक्त, रजनीश जुल्का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्रीराम पिस्टन, संजय मिश्रा एचआर हेड और कमल कुमार उपस्थित रहे। लगभग 500 कर्मचारियों/ श्रमिकों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया

इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की गई।

● श्रमिकों के भुगतान में टालमटोल या कटौती करने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी : सीएम

स्वास्थ्य और सुरक्षा

आयुष्मान योजना का विस्तार: मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि प्रदेश के शेष 15.83 लाख निर्माण श्रमिकों को भी आयुष्मान कार्ड के दायरे में लाया जाएगा। अब तक 12.26 लाख श्रमिकों को यह लाभ मिल चुका है।

ईएसआईसी अस्पताल: ग्रेटर नोएडा (नॉलेज पार्क) में 7 एकड़ भूमि पर 300 बेड का नया ईएसआईसी अस्पताल और गोरखपुर में 5 एकड़ पर अस्पताल बनाने की आधारशिला रखी गई। साथ ही प्रदेश के 34 अन्य जिलों में भी नए ईएसआईसी अस्पताल प्रस्तावित हैं।

बुनियादी सुविधाएं

श्रमिक हॉस्टल और डोरमेट्री: नोएडा और ग्रेटर नोएडा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए हॉस्टल और रहने के लिए डोरमेट्री की व्यवस्था की जाएगी। सस्ती कैंटीनः श्रमिकों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए 'सस्ती कैंटीन' शुरू करने का निर्देश दिया गया है। डिजिटल लेबर चौक ऐपः श्रमिकों को आसानी से काम दिलाने और उनकी पहचान को डिजिटल बनाने के लिए 'डिजिटल लेबर चौक' ऐप का शुभारंभ किया गया।

शिक्षा और भविष्य

टैबलेट वितरण: श्रमिक परिवारों के मेधावी बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के लिए टैबलेट वितरित किए गए। अटल आवासीय विद्यालयः कार्यक्रम में अटल आवासीय योजना के तहत मेधावी छात्रों को सम्मानित भी किया गया।

श्रमिक केंद्र: बलरामपुर, झांसी और गोंडा में नए श्रमिक केंद्रों की स्थापना। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को 'नया भारत के वास्तुकार' और प्रदेश की विकास यात्रा की 'मौन शक्ति' बताते हुए उनके सम्मान और स्वावलंबन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

नया वेतन बोर्ड: प्रदेश में एक नए वेतन बोर्ड के गठन की योजना पर भी चर्चा की गई।

वेतन भुगतान पर सख्ती: मुख्यमंत्री ने स्पष्ट चेतावनी दी कि श्रमिकों से काम लेकर उनके भुगतान में टालमटोल या कटौती करने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी।